mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-42 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

रीवा

12 फरवरी 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

चैंपियंस ट्रॉफी से... @ पेज 7

रामलला की श्रृंगार आरती के समय में किया गया बदलाव

अयोध्या (एजेंसी)। यूपी के अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट रही है। इस वजह से एक बड़ा फैसला लिया गया है और रामलला की श्रंगार आरती के समय में बदलाव

- **अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की वजह से बड़ा फैसला**

कर दिया गया है। अब रामलला की श्रृंगार आरती सुबह 6 बजे की जगह एक घंटा पहले सुबह 5 बजे होगी। यानी सुबह ही रामलला का दरबार खुल जाएगा और मंगला आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालु भी अब रामलला की श्रृंगार आरती में शामिल हो सकेंगे।

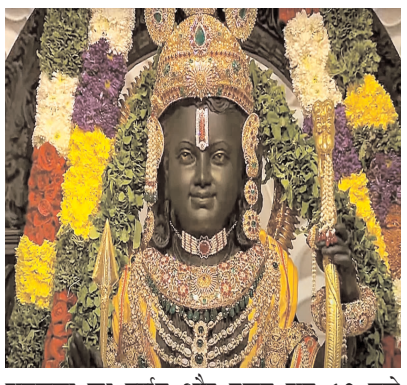

रामलला का दर्शन और पूजन रात 10 बजे तक अनवरत चलता रहेगा। दोपहर में भोग लगाते समय मात्र 5 मिनट के लिए पर्दा लगाया जाएगा। इस बीच भी श्रद्धालु रामलला के मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। रामलला की सभी आरतियां और भोग के समय भी श्रद्धालुओं को अनवरत दर्शन मिलता रहेगा।
बता दें कि रामनगरी में उमड़े आस्था के सैलाब को देखते हुए राम मंदिर ट्रस्ट ने रामलला की दर्शन अवधि की सीमा को फिर से बढ़ाया है। बसंत पंचमी के पश्चात रामलला का दर्शन सुबह 6 बजे हो पाता था लेकिन अब इसे दोबारा सुबह 5 बजे खोला जाएगा। यानी मंदिर में लगभग 17 घंटे रामलला के दर्शन मिलेंगे। गौरतलब है कि प्रयागराज में महाकुंभ नगर की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर काफी भीड़ है। लोग माघ पूर्णिमा के दिन संगम में पवित्र स्नान करने के लिए आ रहे हैं। सिर्फ प्रयागराज के महाकुंभ नगर में ही नहीं, काशी और अयोध्या में भी मुश्किल स्थिति दिख रही है। यहां भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। हालांकि महाकुंभ नगर की तरफ जा रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उपाय जारी हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण भारी भीड़ से निपटने के लिये रेलवे और स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए कई नयी व्यवस्थाएं की हैं। लेकिन कई क्षेत्रों में यातायात जाम और अन्य परेशानियों के बावजूद महाकुंभ नगर तथा वाराणसी में लोगों के पहुंचने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप पर बुरी तरह भड़के पोप फ्रांसिस

वॉशिंगटन/रोम (एजेंसी)। कैथलिक चर्च के प्रमुख एवं ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा प्रवासियों को बड़े पैमाने पर निर्वासित किए जाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। अमेरिका से अवैध प्रवासियों के निर्वासन के मुद्दे पर भड़कते हुए पोप फ्रांसिस ने मंगलवार को ट्रंप

प्रशासन की निंदा की और आगाह किया कि इसका अंत बुरा होगा। उन्होंने कहा कि केवल उनकी अवैध स्थिति के कारण जबरदस्ती देश से बाहर निकाल देना प्रवासियों को उनकी अंतर्निहित गरिमा से वंचित करता है। पोप फ्रांसिस इस मुद्दे पर कितने सीरियस हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अमेरिका के बिशपों को इस बारे में एक चिट्ठी भी लिखी है। बता दें कि इतिहास के पहले लातिन अमेरिकी पोप ने लंबे समय से प्रवासियों की देखभाल को अपनी धर्मपीठ की प्राथमिकता बना रखा है। पोप फ्रांसिस ने दुनिया के सभी देशों से मांग की है कि वे संघर्ष, गरीबी तथा जलवायु आपदाओं की वजह से भाग रहे लोगों का स्वागत करें और उनकी रक्षा करें। बता दें कि ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने के मात्र 4 दिन के भीतर ही देश ने सैन्य विमानों का इस्तेमाल करते हुए अवैध अप्रवासियों के लिए निर्वासन उड़ानें शुरू कर दी थीं। अवैध आप्रवासियों का सामूहिक निर्वासन ट्रंप के प्रमुख चुनावी वादों में से एक रहा है।

लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में नवाचार को प्रेरित करने के 25 साल

दिल्ली (एजेंसी)। उद्योग में उन्नति और विकास के एक चौथाई शतक को चिह्नित करते हुए, INDIAWOOD 2025, वुडवर्किंग और फर्नीचर निर्माण के लिए प्रमुख व्यापार मेला, 6-9 मार्च 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट और सेंटर (IEML), ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयोजित किया जाएगा। NuernbergMesse के वैश्विक लकड़ी कार्य पोर्टफोलियो का हिस्सा, यह मील का पत्थर संस्करण भारत की निर्माण शक्ति के रूप में उभरने और फर्नीचर और लकड़ी कार्य उद्योग में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को दर्शाता है।

INDIAWOOD की 25 साल की धरोहर- स्थानीय प्रदर्शन से वैश्विक प्रभाव तक

अपनी स्थापना से, INDIAWOOD ने उद्योग के विकास को आकार दिया है, एक ही मंच पर निर्माता, आपूर्तिकर्ता, प्रौद्योगिकी नेता और पेशेवरों को एकत्र किया है। पिछले ढाई दशकों में, इसने प्रौद्योगिकी में प्रगति, सतत प्रथाओं, और वैश्विक सहयोगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, जब भारत वैश्विक फर्नीचर उत्पादकों में शीर्ष पांच देशों में स्थान रखता है और अपने फर्नीचर निर्यात को हर साल 20त्न बढ़ाने के लिए तैयार है, INDIAWOOD उद्योग की प्रगति के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में जारी है। ÷2025 में 25.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया भारतीय फर्नीचर बाजार 2030 तक 37.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लकड़ी फर्नीचर उत्पादन का 62त्न हिस्सा बनाती है, और यह उद्योग नवाचार और स्थिरता द्वारा प्रेरित परिवर्तन से गुजर रहा है - इसका अधिकांश हिस्सा INDIAWOOD में मिलने वाले अवसरों द्वारा प्रेरित है,÷ सोनिया प्रशर, प्रबंध निदेशक, NuernbergMesse इंडिया ने कहा। इस अवसर पर, Eumabois (यूरोपीय लकड़ी कार्य मशीनरी निर्माताओं की महासंघ) के अध्यक्ष फ्रेडरिक मेयर ने कार्यक्रम और भारत के लकड़ी कार्य और फर्नीचर उद्योग की निरंतर वृद्धि के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की।

अरविंद केजरीवाल पर स्वाती मालीवाल का बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव हारने के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुरी तरह से घिरते नजर आ रहे हैं। अब उन पर राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल ने बड़ा आरोप लगाया है। दरअसल, स्वाती मालीवाल ने पंजाब को लेकर एक बड़ा बयान दिया है, जहां

भगवंत मान के नेतृत्व में %आप% की सरकार है। मालीवाल ने कहा कि कुछ लोग पंजाब को निजी एटीएम समझने लगे हैं, जबकि पंजाब की जनता और विधायक इससे बेहद नाराज हैं। स्वाती मालीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने करीबी आदमी विभव कुमार को भगवंत मान का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया है, जिसे उन्होंने ÷गुंडा÷ करार दिया। मालीवाल ने यह भी कहा, ÷क्या पंजाब से लूटी गई रकम अब दिल्ली में आ रही है?÷ स्वाती मालीवाल ने कहा, ÷जब पंजाब ने अरविंद केजरीवाल को अपना जनादेश दिया था, तो उन्होंने पंजाब के लिए क्या किया?÷ स्वाति मालीवाल ने कहा, ÷आज पंजाब में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। यहां जगह-जगह अवैध बालू खनन हो रहा है, ट्रांसफर और पोस्टिंग में भ्रष्टाचार हो रहा है। पंजाब के लोग और कई विधायक इस स्थिति से गुस्से में हैं।÷ उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली में हार के बाद पंजाब में अपनी राजनीति को जिंदा रखने के लिए वहां जाने की योजना बना रहे हैं।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा को लेकर बैठक की

आतंकवाद मुक्त होगा जम्मू-कश्मीर, होगी जीरो घुसपैठ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा को लेकर बैठक की। इस दौरान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, सुरक्षा और सीमा सुरक्षा समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, सुरक्षा और सीमा सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। गृह मंत्री अमित शाह ने इस बैठक में स्पष्ट किया कि मोदी सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।
गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद, नार्को-आतंकवाद और आतंक-वित्तपोषण पर निगरानी रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से आतंकवाद

के पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राज्य में शांति और सुरक्षा बनी रहे।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को विशेष निर्देश दिए कि वे सीमा सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करें। साथ ही उन्होंने उच्च तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर जम्मू-कश्मीर में ÷जीरो घुसपैठ÷ को सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। शाह ने कहा कि बॉर्डर पर किसी भी प्रकार की घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करना जरूरी है, ताकि आतंकवादियों को राज्य में घुसने से रोका जा सके। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए 'द्द्रह्श्र झ्ह्ह्श्रह्-क्चड्डह्व' को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह से समाप्त करना है। इसके तहत सुरक्षा बलों की ओर से आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यूपी की मदनी मस्जिद पर चला बुलडोजर

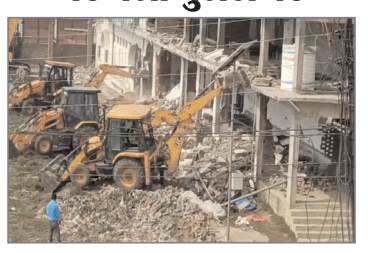

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी (सपा) का 18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कुशीनगर पहुंचा। यहां समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मदनी मस्जिद स्थल का निरीक्षण करने के लिए जिले के हाटा का दौरा किया। बता दें कि मस्जिद का एक हिस्सा प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया है। वहीं हाटा के दौरे में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल विस्तृत जानकारी जुटाएगा और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक रिपोर्ट सौंपेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंत्री ब्रह्मशंकर त्रिपाठी, राधेश्याम सिंह और पूर्व सांसद बालेश्वर यादव जैसे वरिष्ठ सपा नेता शामिल थे। यह दौरा जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा भारी सुरक्षा के बीच मस्जिद में विध्वंस अभियान चलाने के दो दिन बाद हुआ है। अधिकारियों ने दावा किया कि ध्वस्त किया गया ढांचा अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बनाया गया था, जबकि मस्जिद समिति ने इस कार्रवाई को उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन बताया।

'बैंक एटीएम पर 24 घंटे सुरक्षा गार्ड्स के तैनात रहने की जरूरत नहीं'

सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने एक समय में एक व्यक्ति का प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए एटीएम पर सुरक्षा गार्ड के चौबीसों घंटे तैनात रहने के गुवाहाटी उच्च न्यायालय के आदेश को मंगलवार को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के.विनोद चंद्रन की पीठ ने कुछ बैंकों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इन दलीलों पर विचार किया कि सभी एटीएम पर चौबीसों घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात करना व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा, ''असम में, हमारे पास लगभग 4,000 एटीएम हैं। हम सभी एटीएम पर सुरक्षा गार्ड नहीं रख सकते। दुनिया भर में मान्यता प्राप्त प्रणाली के रूप में सीसीटीवी रखना है।''
मेहता ने कहा कि शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2016 में उच्च न्यायालय के निर्देश पर रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक समेत याचिकाकर्ता बैंकों को एटीएम के सुचारू कामकाज के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल के संबंध में दिसंबर 2013 में उच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए अन्य निर्देशों को स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है। पीठ ने याचिका स्वीकार कर ली और उच्च न्यायालय द्वारा जारी उस निर्देश को निरस्त कर दिया जिसमें कहा गया था, ''सभी एटीएम पर चौबीसों घंटे सुरक्षा गार्ड

रखे जाएं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एक समय में केवल एक ही ग्राहक एटीएम परिसर में प्रवेश कर सके।'' उच्च न्यायालय ने कथित एटीएम धोखाधड़ी पर दिसंबर 2012 में प्रकाशित एक समाचार पर स्वत- संज्ञान लिया, जिसमें एक व्यक्ति के साथ 35,000 रुपये की धोखाधड़ी होने की बात कही गई थी। इसने ऐसी घटनाओं से बचने के लिए एटीएम ग्राहकों को प्रदान किए जा सकने वाले सुरक्षा उपायों पर निर्णय लेने के लिए केंद्र और असम के पुलिस महानिदेशक के अलावा भारतीय रिजर्व बैंक तथा संबंधित बैंक को नोटिस जारी किया था।

शंकराचार्य ने केंद्र सरकार से बड़ी की मांग

स्वामी अविमुक्तेश्वारनंद ने केंद्र सरकार को दिया 33 दिन का समय

प्रयागराज (एजेंसी)। ज्योतिष पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने केंद्र सरकार से बड़ी मांग की है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने देश में गो हत्या पर प्रतिबंध और गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार को 3 दिनों का समय दिया है। मंगलवार को महाकुंभ के सेक्टर 19 में शंकराचार्य शिविर में जगद्गुरु शंकराचार्य ने ये बात कही है। आइए जानते हैं कि उन्होंने इस बारे में और क्या कुछ कहा है।

ज्योतिष पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, ÷शास्त्रों में उल्लेख है कि गाय के शरीर में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास है। हम पिछले डेढ़ साल से गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए आंदोलन चला रहे हैं। अब हमने निर्णय लिया है कि माघी पूर्णिमा के अगले दिन (बृहस्पतिवार) से हम 33 दिनों की पदयात्रा निकालेंगे।÷

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बताया है कि उनकी 33 दिन की पदयात्रा 17 मार्च को दिल्ली जाकर पूर्ण होगी।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार के पास 33 दिनों का समय है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यदि केंद्र सरकार इन 33 दिनों में कोई फैसला नहीं करती तो हम 17 मार्च को शाम पांच बजे के बाद कोई कड़ा निर्णय लेंगे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- ÷ हम पिछले डेढ़ दो सालों से गौ प्रतिष्ठा आंदोलन के माध्यम से इस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि केंद्र सरकार अब इस संबंध में अपना मत स्पष्ट करेगी। कुंभ की धरती पर अनेक संत- महात्माओं से विचार के बाद हम गाय माता के संबंध में आपको (केंद्र) 33 दिन दे रहे हैं। केंद्र सरकार 17 मार्च को शाम पांच बजे तक इस संबंध में जो भी घोषणा करना चाहती है कर दे, अन्यथा हम यह मान लेंगे कि केंद्र सरकार गोहत्या जारी रखना चाहती है। हमारी सरकार से मांग है कि गाय को पशु की श्रेणी से हटाकर राष्ट्र माता घोषित किया जाए और गोहत्या को अपराध माना जाए।

6 भाषाओं में होगा लोकसभा की कार्यवाही का ट्रांसलेशन

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सदन की कार्यवाही के दौरान इसकी भाषा का रुपांतरण 6 और भाषाओं में किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। ओम बिरला ने कहा कि अब संस्कृत, उर्दू तथा मैथिली समेत छह और भाषाओं में सदन की कार्यवाही का भाषा रूपांतरण होगा। सदन की कार्यवाही का भाषा रूपांतरण पहले अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 10 क्षेत्रीय भाषाओं में हो रहा था।
ओम बिरला ने कहा कि उनका प्रयास है कि मान्यताप्राप्त सभी 22 भाषाओं में सदन की कार्यवाही का रूपांतरण एक साथ हो। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन की उपलब्धता होने के साथ ही यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, ''अब बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू में सदन की कार्यवाही का रूपांतरण होगा।''
उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत की संसद ही एकमात्र विधायी संस्था है जहां एकसाथ इतनी भाषाओं में कार्यवाही का रूपांतरण हो रहा है।

द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने संस्कृत भाषा में कार्यवाही के रूपांतरण के फैसले पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़े के मुताबिक देश में सिर्फ 73 हजार लोग संस्कृत बोलते हैं तो फिर करदाताओं के पैसे को क्यों बर्बाद किया जा रहा है। बिरला ने उनकी आपत्ति को खारिज करते हुए कहा, ''आप किस देश में रह रहे हैं? भारत की मूल भाषा संस्कृत रही है। आपको संस्कृत पर आपत्ति क्यों हुई? हम तो सभी 22 भाषाओं में रूपांतरण की बात कर रहे हैं।''
इसके अलावा भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी लोकसभा में उठाई गई। सदन में शून्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश के सलेमपुर से सपा सदस्य रमाशंकर राजभर ने कहा कि भोजपुरी भाषा दुनिया के आठ देशों में बोली जाती है और यह पूर्वांचल के घर-घर में बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

'पत्नी के साथ सहमति के बिना अप्राकृतिक कृत्य अपराध नहीं'

छत्तीसगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि पति के ऊपर बालिग पत्नी के साथ उसकी सहमति के बिना भी अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के लिए क्चहृस् की धारा 376 के तहत दुष्कर्म या फिर धारा 377 के तहत अप्राकृतिक यौन संबंध के अपराध के लिए केस नहीं चलाया जा सकता है। स्द्ध1द्ग स्>2 के मुताबिक, जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने कहा- ÷यह स्पष्ट है कि यदि पत्नी की उम्र 15 वर्ष

से कम नहीं है, तो पति द्वारा पत्नी के साथ किसी भी संभोग या यौन कृत्य को ऐसी परिस्थितियों में दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि अप्राकृतिक कृत्य के लिए पत्नी की सहमति की अनुपस्थिति इसका महत्व खो देती है, इसलिए, इस कोर्ट का मानना है कि अपीलकर्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 377 के तहत अपराध नहीं बनता है।÷ दरअसल कोर्ट में अपीलकर्ता मृतक-पीड़िता का पति है। स्द्ध1द्ग स्>2 के मुताबिक, अपीलकर्ता ने पीड़िता के साथ उसकी सहमति के विरुद्ध अप्राकृतिक यौन संबंध बनाया था। पीड़िता ने दर्द की शिकायत की थी और इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वंडरलूम्स के को-फाउंडर ने छात्रों को बताए सफलता के मंत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के युवा उद्यमी और वंडरलूम्स के को-फाउंडर प्रतीक वत्स ने आज रायसेन रोड स्थित एलएनसीटी कॉलेज में स्टार्टअप टॉक के दौरान अपनी सफलता की कहानी साझा की। प्रतीक की कंपनी वंडरलूम्स भोपाल की पहली स्टार्टअप है, जिसने प्रतिष्ठित टीवी शो शार्क टैंक से फंडिंग हासिल की है। 2014 में शुरू की गई वंडरलूम्स बाइकर्स और एडवेंचर प्रेमियों के लिए विशेष मर्चेंडाइज का निर्माण करती है। प्रतीक ने बताया कि कंपनी की शुरुआत उनकी निजी बचत और पिता से लिए गए उधार से हुई। उन्होंने छात्रों को बताया कि एक विचार को सफल व्यवसाय में बदलने की राह आसान नहीं होती, लेकिन दृढ़ संकल्प और सही दिशा में लगातार प्रयास से सफलता जरूर मिलती है। कार्यक्रम में प्रतीक के साथ उनके सह-संस्थापक दीपेश भी मौजूद थे। दोनों ने छात्रों के साथ अपने उद्यमिता के सफर और शार्क टैंक में अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने युवा उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भोपाल जैसे टियर-2 शहर से भी स्टार्टअप की सफलता की नई कहानियां लिखी जा सकती हैं। प्रतीक ने छात्रों को बताया कि स्टार्टअप के लिए जरूरी नहीं है कि आपको किसी लेक्चर में हिस्सा लेना पड़े, क्योंकि अच्छा आइडिया कहीं भी आ सकता है। उन्होंने कहा, आइडिया इस बुलशिट एंड एग्जीक्यूशन इस एवरीथिंग, यानी अगर आप किसी आइडिया पर काम करते हैं तो उसे केवल सोचने से नहीं, बल्कि उसे लागू भी करना पड़ता है।

प्रतीक ने शार्क टैंक शो में फंडिंग प्राप्त करने के अपने संघर्ष के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि कई बार उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन कभी भी उन्होंने हार नहीं मानी। फंडिंग पाने का सफर आसान नहीं था, लेकिन एक ठोस योजना, कड़ी मेहनत और सही दिशा में काम करने से हम सफल हुए, प्रतीक ने कहा। वह छात्रों को यह भी सलाह देते हुए बोले, अपने आइडिया को समझना और एक मजबूत योजना बनाना बहुत जरूरी है। यदि आपके पास अच्छा उत्पाद है और आप उसे लगातार सुधारते रहते हैं, तो निवेशक आपके हाथ में पैसा रखने के लिए तैयार रहते हैं।

मंत्रालय में 4 दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर 10 से

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश मंत्रालय में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वल्लभ भवन-1 के प्रथम तल पर स्थित सरकारी डिस्पेंसरी में 10 से 14 फरवरी तक चलने वाले इस शिविर में नेत्र सेवा सदन चिकित्सालय संत हिरदाराम नगर के विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं देंगे। मध्य प्रदेश सचिवालय मंत्रालय शीघ्रलेखक संघ और मध्य प्रदेश अजाक्स मंत्रालय शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जांच की जाएगी। संघ के नेता सुभाष वर्मा और धनश्याम भकोरिया के अनुसार, शिविर में आंखों की जांच के साथ-साथ दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहेंगे जो दांतों की जांच करेंगे। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों के रक्तचाप और मधुमेह की भी जांच की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंत्रालय भवन में स्वास्थ्य जांच करने की आवश्यक अनुमति प्रदान कर दी है। यह पहल कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नियमित स्वास्थ्य जांच को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समाजसेवी नारायणदास की 5वीं पुण्यतिथि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संत हिरदाराम नगर के समाजसेवी स्व. नारायणदास चोटवानी की पांचवीं पुण्यतिथि पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में मनाई गई। नगर निगम भवन के पास स्थित झूलेलाल मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान झूलेलाल और स्व. नारायणदास चोटवानी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी ने बताया कि स्व. नारायणदास न केवल एक समाजसेवी बल्कि एक महान दानवीर भी थे। वे जरूरतमंद लोगों को कंबल, राशन और दवाइयां वितरित करने के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी प्रदान करते थे। विशेष रूप से असहाय महिलाओं के लिए उन्होंने मासिक आर्थिक सहायता की व्यवस्था की थी, जिसके लिए उन्होंने एक विशेष पासबुक सिस्टम भी बनाया था। कार्यक्रम में पंचायत के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें महासचिव नंद दादलानी, उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, सचिव मोहन मीरचंदानी और सहकोषाध्यक्ष माधव पारदासानी प्रमुख थे। इसके अलावा राऊ वाधवानी, घनश्याम लालवानी, ओम आसनानी, अशोक चोटवानी समेत कई समाज के प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

यूरो-एशिया कराटे चैंपियनशिप में होली क्रॉस स्कूल का शानदार प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुंबई के मुलुंड वेस्ट स्थित प्रियदर्शनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 30वीं यूरो-एशिया इंटरनेशनल ढ्ढस्न्नस्ष्ह्र ओपन कराटे चैंपियनशिप में होली क्रॉस को-एड स्कूल, लांबाखेड़ा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में स्कूल के छात्रों ने कुल 19 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण, 5 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस उपलब्धि ने न केवल स्कूल को गौरवान्वित किया, बल्कि क्षेत्र में मार्शल आर्ट्स के प्रति युवाओं के बढ़ते रुझान को भी दर्शाया है।

उज्जैन सिंहस्थ में भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे के तीन से चार सैटेलाइट स्टेशन बनाए जाएंगे, स्पेशल ट्रेनें भी चलेंगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रयागराज की तरह उज्जैन सिंहस्थ के दौरान भी रेलवे के सैटेलाइट स्टेशन बनाए जाएंगे। तीन से चार स्टेशन बनाने की रूपरेखा बनी है। इससे मुख्य स्टेशन में आने वाली लगभग 75 प्रतिशत भीड़ दूसरे स्टेशनों से आ-जा सकेगी।

इसका लाभ यह होगा कि स्टेशन और शहर में एक साथ भीड़ नहीं पहुंचेगी। प्रयागराज कुंभ में यह प्रयोग सफल रहा है। मप्र पुलिस के अधिकारियों की टीम ने कुंभ में जाकर सैटेलाइट स्टेशन सहित अन्य व्यवस्था देखी थी। अब उसी के अनुरूप उज्जैन सिंहस्थ के लिए तैयारी की जा रही है।

पिछले दिनों अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने भी उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर बैठक ली थी। इसमें सैटेलाइट रेलवे स्टेशन और बस स्टाप कहां-कहां बनाए जा सकते हैं,

इस पर भी विस्तार से चर्चा हुई थी।

सिंहस्थ के दौरान लगभग तीन करोड़ लोगों के आने की संभावना है। उज्जैन के आसपास पांच से सात किमी के क्षेत्र में सैटेलाइट स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त विशेष ट्रेन चलाने की भी तैयारी है।

सिंहस्थ में सुरक्षा के लिए दो पाली में लगभग 42 हजार पुलिसकर्मी लगाए जाएंगे। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि जिला पुलिस बल के अतिरिक्त होम गार्ड्स के जवान भी लगाए जाएंगे। आवश्यकता होने पर केंद्र से अर्धसैनिक बल की सहायता ली जाएगी। सिंहस्थ के दौरान सुरक्षा के लिए डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर सहित अन्य सामग्री की खरीदी के लिए पुलिस मुख्यालय से प्रस्ताव मांगा गया है। छह माह के भीतर खरीदी की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी।

भोपाल, जबलपुर, इंदौर सहित कई शहरों के लोग परेशान?

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अर्बन सीलिंग एक्ट भले ही 24 साल पहले रद्द हो चुका है, लेकिन इसमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर और उज्जैन समेत प्रदेशभर के करीब 7000 जमीनी मामले अब तक उलझे हुए हैं। कुछ मामले कलेक्टर कार्यालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए हैं लेकिन समाधान नहीं हुआ। भोपाल में बैरागढ़, श्यामला हिल्स, मिसरोद, कोहेफिजा, खानूगांव, भानपुर, बैरसिया आदि इलाकों में ऐसे कई मामले हैं। एक बार सीलिंग शब्द जुड़ने के बाद ऐसी जमीनें न तो बिक सकी न उन पर निर्माण हो पाया। हालांकि कई शहरों में मामला सुलझाने का दावा करके बिल्डरों ने इन जमीनों को कौड़ियों के भाव एग्रीमेंट करके ले लिया। अवैध निर्माण भी कर दिए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीश छवानी के मुताबिक लाउखेड़ी में स्थित गीता प्रसाद मीणा की जमीन पर सालों पहले प्रशासन ने सीलिंग एक्ट में दावा किया था। 2017 में मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया और दावा खारिज हुआ। छवानी ने कहा कि 2000 में निरसन एक्ट लागू होने के पहले कुछ जिलों में वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए बगैर दफ्तर में बैठक करके विवादित जमीनों का भौतिक पंचनामा कर दिया गया। यह मामले विवादित हैं। जबलपुर में साल 2011 से लगातार 1246 भूस्वामी प्रशासन से लड़ रहे हैं। सीलिंग पीड़ित किसान समिति के बैनर तले किसान हाई कोर्ट तक जा चुके परंतु विवाद नहीं निपटा। ग्वालियर में हाल में थाटीपुर, गोल पहाड़िया, नारायण विहार आदि में सीलिंग से मुक्त जमीन पर 150 मकान बन चुके हैं। हाल में प्रशासन ने इन्हें नोटिस दिए हैं। इंदौर में 700 एकड़ जमीन पर खजराना, सिरपुर और छोटा बांगड़दा के सैकड़ों मामले सीलिंग के हैं। उज्जैन में घट्टिया में 23 एकड़ जमीन सीलिंग में कब्जेदारों से वापस लेने में प्रशासन को 44 साल लगे। अभी भी सैकड़ों मामले लंबित हैं। अधिवक्ता राजेश पंचोली के मुताबिक सीलिंग में विवादित जमीन का भौतिक पंचनामा कर ही प्रशासन कब्जा ले सकता है।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एम. के. पोंडा कॉलेज ऑफ़ बिजनेस एंड मैनेजमेंट की एनएसएस इकाई और थाना ईटखेड़ी ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय में छात्रों को साइबर सुरक्षा की महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक रिंकू जाटव ने साइबर अपराध के विभिन्न रूपों से बचाव के तरीके बताए और राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में जागरूक किया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. अनुराग भरत ने सोशल मीडिया अकाउंट्स की सुरक्षा के लिए डबल पासवर्ड और यूपीआई सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र सिंह परमार ने छात्रों को व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता बनाए रखने की सलाह दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर प्रो. चेतना राय भी मौजूद रहीं। इस दौरान साइबर क्राइम पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह से हिस्सा लिया।

सीएम ने किया स्वयं सेवकों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 6 फरवरी 2025 को मुख्यमंत्री निवास में गणतंत्र दिवस परेड कैंप 2025 में भाग लेने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का विशेष सम्मान किया। इस अवसर पर ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के एनएसएस स्वयंसेवकों की उपस्थिति विशेष रही।

मुख्यमंत्री यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएसएस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना देश की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज के सच्चे नायक बताते हुए कहा कि ये युवा देश की प्रगति और सेवा के प्रति पूर्णतः समर्पित

हैं। सम्मान समारोह में स्वयंसेवकों ने गर्व के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रीय सेवा के प्रति समर्पण और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने में सफल रहा।

मध्यप्रदेश अन्तर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले में बना थीम स्टेट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, हरियाणा के पर्यटन विभाग द्वारा 7 फरवरी से 23 फरवरी, 2025 तक आयोजित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेला में थीम राज्य है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के संयोजन से मेले में आने वाले देश-विदेश के सैलानियों को मध्यप्रदेश की संस्कृति, पर्यटन, कला, शिल्प देखने और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले में मध्यप्रदेश की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत लोक नृत्य-संगीत का प्रदर्शन होगा। इसमें भगोरिया, गणगौर, मटकी, गुदुमबाजा, काठी, करमा, भड़म, बरेदी, बधाई-नौरता, अहिराई इत्यादि लोक नृत्यों की प्रस्तुति होगी। मध्यप्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति को मेले के सैलानी देख सकेंगे। मेले में 17 फरवरी को नाटक बैजू बावरा और नृत्य नाटिका वीरांगना रानी दुर्गावती की विशेष प्रस्तुतियां भी होंगी।

सूरजकुंड शिल्प मेला में मध्यप्रदेश के 40 शिल्पकारों के पारंपरिक शिल्प प्रदर्शन सह विक्रय के लिए उपलब्ध होंगे। इन शिल्पों में चंदेरी, महेश्वरी साड़ी एवं बाग प्रिंट, दरी-चादर, अजरक प्रिंट, घास की पत्ती से बने शिल्प, गोंड पेंटिंग, ढोकरा शिल्प, जूट, मिट्टी शिल्प, कढ़ाई एवं छपाई, भीली गुड़िया, छापा कला, नाँदना प्रिंट, लौह शिल्प, गोबर शिल्प, कशीदाकारी, खरद शिल्प, खादी और कॉटन, ब्लॉक प्रिंट इत्यादि शामिल हैं। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा मेला परिसर में विशेष मंडप भी बनाया गया है, जहां प्रदेश के पर्यटन के बारे में विस्तृत जानकारी पर्यटकों को दी जा सकेगी। पर्यटक जान सकेंगे कि वे कैसे मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकते हैं। साथ ही मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा क्या-क्या सुविधाएं पर्यटकों को दी जाती हैं।

लोक निर्माण मंत्री के निर्देश पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की हुई जांच

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये औचक निरीक्षण की नवीन पहल प्रारंभ की गई हैं। इसके तहत हर माह की 5 और 20 तारीख को सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडम तरीके से चयनित दलों, जिलों, निर्माण कार्यों और सामग्री के सैंपल लेने के स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। इसी क्रम में हाल ही में लोक निर्माण विभाग के सातों परिक्षेत्रों के एक-एक जिले में मुख्य अभियंताओं की टीमों द्वारा निरीक्षण किया गया। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, श्री भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई। बैठक में निरीक्षण किए गए सात जिलों के 35 निर्माण कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे सॉफ्टवेयर पर अपलोड कर पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया। बैठक में प्रबंध संचालक भवन विकास निगम श्री पंकज जैन, प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता श्री एस.आर. बघेल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं समस्त मुख्य अभियंता उपस्थित रहे।

प्रबंध संचालक श्री यादव ने सड़क, भवन और पुल निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिए अलग-अलग चेकलिस्ट तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण रिपोर्ट के लिए एक मानक फॉर्मेट तय करने का सुझाव दिया, जिससे निर्माण कार्यों की कमियों और सकारात्मक बिंदुओं को स्पष्ट रूप से दर्शाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिये कि निरीक्षण के दौरान लिए गए नमूनों की लैब रिपोर्ट आने के बाद सभी दलों को फाइनल निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

समीक्षा बैठक में सिंगपुर-धरमपुर रोड से मझपुरा रोड के निर्माण कार्य में गुणवत्ता में गंभीर कमी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करते हुए उपयंत्री को निलंबित करने एवं कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। ठेकेदार मेसर्स माँ शारदा कंस्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर पन्ना को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिये गये।

प्रबंध संचालक श्री यादव ने पन्ना जिले में वन स्टॉप सेंटर भवन कार्य में पाई गई कमी के आधार पर उपयंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया। भोपाल जिले में भोपाल-देवास मार्ग में कि.मी. 20, 23,24 एवं 25 में कुछ स्थानो पर सरफेस में क्रेक एवं रफनेस पाई गई। मार्ग में डिवाईडर में पेंटिंग एवं साईन बोर्ड तथा शोल्डर मापदण्ड अनुसार नही पाये गये। इसके लिये ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों को 7 दिवस में सुधार कार्य करने के लिये निर्देशित किया गया। ग्वालियर जिले में सड़क कार्य पटेल का पुरा से गुरी बंजारों का पूरा मार्ग में निरीक्षण में ठेकेदार के द्वारा सी.आर.एम. एवं डब्ल्यू.एम. का कार्य मानक स्तर का नहीं किये जाने के एवं कार्य में विलंब के कारण ठेकेदार मेसर्स कामतानाथ कंस्ट्रक्शन कंपनी मुरैना को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिये गये।

प्रबंध संचालक श्री यादव ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'एकात्म धाम' मंडपम् में शंकर गाथा की प्रस्तुति से दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सनातन संस्कृति की दिव्य अनुभूति के महापर्व प्रयागराज महाकुम्भ में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा अद्वैत वेदान्त दर्शन के लोकव्यापीकरण एवं सार्वभौमिक एकात्मता की संकल्पना के उद्देश्य से एकात्म धाम शिविर सेक्टर-18, हरिश्चन्द्र मार्ग, महाकुम्भ क्षेत्र, झूंसी, प्रयागराज में गुरुवार को हजारों दर्शकों की उपस्थिति में आदि शंकराचार्य के जीवन पर केंद्रित दो दिवसीय नृत्य नाटिका के प्रथम दिन 'शंकर गाथा' की प्रस्तुति हुई तो पूरा सभागार मंत्रमुग्ध हो उठा, गाथा के सूत्रधार की भूमिका महाभारत के श्रीकृष्ण के रूप में लोकप्रिय अभिनेता नितेश भारद्वाज ने निभाई। वहीं इसका निर्देशन विश्व प्रसिद्ध

कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी ने किया।

दैनिक दिनचर्या में साधना से 'दिव्य रूपांतरण' विषय पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित सत्र में चिन्मय मिशन चेन्नई के स्वामी मित्रानन्द सरस्वती, नेशनल कैपिसिटी बिल्डिंग कमीशन से श्री आर.बाला सुब्रमण्यम ,03 बार के ग्रेमी अवार्ड विजेता पद्मश्री रिकी केज ऐश्वर्या हेगड़े (नेशनल एजुकेशन फाउंडेशन की न्यासी सचिव) एवं प्राच्यम के सह-संस्थापक प्रवीण चतुर्वेदी ने अपने विचार व्यक्त किये।

स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा, शंकर भगवत्पाद का अद्वैत सिद्धांत समाधान मूलक है।

विश्व में जो अशांति व्याप्त है, उसका समाधान यदि कहीं से निकलेगा तो वह अद्वैत वेदांत से होगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के प्रयास प्रशंसनीय हैं। आने वाला युग और शताब्दियाँ आदि शंकराचार्य के विचारों का अनुसरण करेंगी।

स्वामी मित्रानंद सरस्वती ने कहा, हमारे हर छोटे से छोटे कार्य को प्रार्थना में बदला जा सकता है। जब हम अपने कार्यों को भगवान को समर्पित करके करते हैं, तो वह कर्म योग बन जाता है। ऐसा कार्य कर्मों से प्रभावित नहीं होता।

संगीतकार पद्मश्री रिकी केज ने कहा, संगीत और प्रकृति एक ही हैं।

अपने कार्य के प्रति

कार ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटे घायल, ड्राइवर फरार, सीधी के चदैनिया में हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के ग्राम चदैनिया में एक तेज रफ्तार अज्ञात फोर व्हीलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार संतोष साकेत और उनकी मां रजमणिया साकेत गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मंगलवार सुबह 9 बजे की है। दरअसल बाइक सवार मां-बेटा ग्राम कोल्हूडीह जा रहे थे। दूसरी ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वे सड़क से काफी दूर जा गिरे। टक्कर में दोनों के सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं।

हादसे के बाद कार ड्राइवर हुआ फरारः घायल संतोष साकेत ने बताया कि फोर व्हीलर की रफ्तार इतनी तेज थी कि मैं वाहन को देख भी नहीं पाया। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घायलों को जिला अस्पताल सीधी पहुंचाया। अस्पताल चौकी सीधी के मुताबिक, रजमणिया साकेत की हालत अधिक गंभीर है। दोनों घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी है।

चुरहट बीएमओ के खिलाफ प्रदर्शन

डॉक्टर ने जान से मारने की धमकी दी, पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के चुरहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. वरुण सिंह के खिलाफ मंगलवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि डॉक्टर ने एक व्यक्ति को जान से मारने की धमकी दी और फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

पचोखर के निवासी विजय बहादुर साकेत ने बताया कि डॉ. सिंह ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों को प्रदर्शन करना पड़ा। दोपहर 3 बजे प्रदर्शनकारी एसडीएम कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

सूत्रों के अनुसार, डॉ. सिंह के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। एक सहकर्मी डॉक्टर ने उनके खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया था। इसके अतिरिक्त, मारपीट और धमकी के अन्य मामले भी लंबित हैं।

चुरहट थाना प्रभारी अतर सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। एसडीएम ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

5 साल से लापता युवती को खोजा

पुलिस ने लखनऊ से ढूंढकर परिवार से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर में पुलिस ने 5 साल से लापता एक युवती को ढूंढ निकाला है। एसपी मोती उर रहमान के निर्देश पर चलाए गए अभियान में कोतवाली पुलिस ने 30 साल की युवती को लखनऊ से बरामद किया।

5 साल पहले पिता ने लिखाई थी गुमशुदगी की रिपोर्टः 5 नवंबर 2020 को ग्राम पसला निवासी यशोदा बाई प्रजापति ने अपनी बेटी रजनी प्रजापति (तब 25) के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कोतवाली थाने में गुम इंसान रिपोर्ट क्रमांक 67/20 के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू की गई।

कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक शिवशंकर प्रजापति और महिला आरक्षक जानकी की टीम ने लखनऊ से रजनी को ढूंढ निकाला। युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पांच साल बाद अपनी बेटी को पाकर परिवार ने पुलिस का आभार जताया।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला आयोजित

साइबर सुरक्षा और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के विषय में किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जमीनी स्तर पर लोगों में साइबर सुरक्षा और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग की प्रासंगिकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला सूचना अधिकारी दशरथ प्रजापति तथा प्रशिक्षक ई-दक्ष केंद्र पंकज पाण्डेय द्वारा साइबर सुरक्षा के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई।

उन्होंने बताया कि कभी भी कॉल्स पर अपनी संवेदनशील जानकारी जैसे ओटीपी, आधार, पैन या बैंक विवरण साझा न करें। अनियंत्रित आधार भुगतान सूचनाओं से सतर्क रहें। कभी भी अज्ञात नंबरों से आने वाले लिंक पर क्लिक न करें जो केवाईसी अपडेट के बहाने आपकी संवेदनशील जानकारी साझा करने के लिए निवेदन करें। कभी भी अज्ञात नंबरों से आने वाली कॉल्स पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी या पैसों से संबंधित मांग को पूरा न करे। सतर्क रहे कभी भी भुगतान प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन या ओटीपी/पीआईएन साझा न करें, ये स्कैम के तरीके हो सकते हैं। ट्राई या टेलीकॉम विभाग के नाम पर आने वाली कॉल्स पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने से बचें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा न करें और अपनी डिजिटल पहचान को सुरक्षित रखें। वास्तविक कूरियर सेवाएं बिना बुकिंग किए पार्सल के लिए कोई शुल्क नहीं लेतीं। उच्च लाभ के प्रति प्रेरित करने वाले ऑनलाइन निवेश ऑफरों से बचें। अपने मोबाइल पर ऐप्स की नियमित जॉच करें अनावश्यक अनुमतियॉ रद्द करें और अनुपयोगी ऐप्स को हटा दें। कोई सरकारी एजेंसी (पुलिस, सीबीआई, ईडी) वीडियो या वॉयस कॉल्स के माध्यम से आपकी जॉच या गिरफ्तारी नही कर सकती। संवेदनशील लेन-देन जैसे बैंकिंग, कानून, स्वास्थ्य संबंधित जानकारी इत्यादि के लिए सार्वजानिक वाई-फाई का उपयोग करने से बचें। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत सायबर हेल्पलाइन 1930, एनसीआरपी पोर्टल या नजदीकी पुलिस स्टेशन में अवश्य दर्ज कराएं।

कार्यशाला में जिला कार्यर म अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग आर. सी. त्रिपाठी, जिला जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना हेलमेट वाले ड्राइवरों को ट्रैफिक पुलिस ने पिलाई चाय,सुरक्षा के लिए दी सलाह

40 लोगों ने लिया नियम पालन का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को एक अनोखी पहल करते हुए यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने का नया तरीका अपनाया। नेशनल हाईवे 43 पर बुढ़ार के पास किआ शोरूम जमुआ में पुलिस ने बिना हेलमेट चला रहे दुपहिया वाहन चालकों को रोका। हालांकि चालान काटने की बजाय उन्हें चाय पिलाकर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

कई ड्राइवर ने खरीदा हेलमेटः ट्रैफिक पुलिस ने चालकों को समझाया कि हेलमेट उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी है और घर में उनका परिवार उनका इंतजार कर रहा है। इस अभियान का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि कई वाहन चालकों ने हेलमेट खरीदा। उन्होंने भविष्य में नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। चालकों ने यह भी वादा किया कि वे अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करेंगे। यातायात डीएसपी मुकेश दीक्षित ने बताया कि इस अभियान का मकसद लोगों को बिना किसी डर के ट्रैफिक रुल्स का पालन करने के मोटिवेट करना है। चालान काटना एक वैधानिक कार्रवाई है, लेकिन इस तरह के सकारात्मक अभियान से लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सकती है।

रेप के आरोपी को 20 साल की सजा, एक साल पहले कीर्तन के दौरान बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म किया था

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर की राजेन्द्रग्राम कोर्ट ने मंगलवार को रेप मामले में युवक को दोषी पाया है। न्यायाधीश पवन शंखवार ने बिहारीलाल पडवार (24) को 20 साल की सजा सुनाई है।

केस में पीड़ित की तरफ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नारेन्द्रदास महरा ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि घटना 8 दिसंबर 2023 की रात की है, जब पीड़ित अपने घर में चल रहे कीर्तन कार्यक्रम के दौरान बाथरूम जाने के लिए बाहर निकली थी। बिहारीलाल ने इस मौके का फायदा उठाते हुए उसका अपहरण कर लिया। कीर्तन में लाउडस्पीकर की आवाज के कारण पीड़ित की मदद की पुकार किसी ने नहीं सुनी।

युवक पहले पीड़ित को केकरिया ले गया, फिर पडरिया में उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद उसे खाटी होते हुए राजेन्द्रग्राम ले जा रहा था, जहां पीड़ित की एक सहेली ने उसे देख लिया और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बिहारीलाल को गिरफ्तार किया।

कोर्ट ने अलग-अलग धारओं में सुनाई सजाः कोर्ट ने धारा 363 के तहत 5 साल की साज और 5,000 जुर्माना, धारा 366 के तहत 5 साल की सजा और 5,000 जुर्माना और पॉक्सो एक्ट की धारा 3, 4 के तहत 20 साल की सजा और 10,000 का जुर्माना लगाया है।

कमिश्नर और कलेक्टर ने सुनी जनता की समस्याएं

योजनाओं का नहीं मिला हितग्राहियों को लाभ, समाधान का दिया आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की शिकायतें सुनीं, जबकि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के लोगों की समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया। जनसुनवाई में मुख्य रूप से राजस्व, पीएम किसान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री किसान योजना और आर्थिक सहायता से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। इसके अतिरिक्त खाद्य, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनजातीय विभाग से संबंधित मामलों पर भी चर्चा हुई। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में समाधान के लिए कड़े निर्देश जारी किए।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह और डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आम जनता को आश्वस्त किया कि उनकी सभी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र किया जाएगा। यह जनसुनवाई कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

सौतन ने जलती लकड़ी से किया जानलेवा हमला

20 डिसमिल जमीन के विवाद में पहली पत्नी के सिर और नाक पर किया वार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में जमीनी विवाद को लेकर एक व्यक्ति की दूसरी पत्नी ने पहली पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। मझौली थाना क्षेत्र के ग्राम ठेंगई में घटी इस वारदात में 20 डिसमिल जमीन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

घटना मंगलवार को उस समय हुई जब रामू कोल की पहली पत्नी संगीता कोल और दूसरी पत्नी चंद्रवती सिंह के बीच जमीनी विवाद चल रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि चंद्रवती ने चूल्हे में जल रही लकड़ी उठाकर संगीता के सिर पर वार कर दिया। इससे संगीता के सिर से खून बहने लगा। इतना ही नहीं, आरोपी ने उसी जलती लकड़ी से पीड़िता की नाक पर भी हमला किया, जिससे उनकी नाक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गंभीर रूप से घायल संगीता को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पथरौला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

पहली दूसरी पत्नी पर केस दर्जः मझौली थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेल ने बताया है कि पीड़ित संगीता कोल की शिकायत पर अस्पताल चौकी पुलिस ने आरोपी चंद्रवती सिंह के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है।

खड़े ट्रक से टकराई इनोवा, गुजरात से प्रयागराज जा रहे एक श्रद्धालु की मौत, एक घायल

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में गुजरात के अहमदाबाद से प्रयागराज जा रहे श्रद्धालु की मौत हो गई। उनकी इनोवा कार अनियंत्रित होकर एक खड़े ट्रक से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि कार सवार निकुंज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गणेश त्रिवेदी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना सिमरिया थाना क्षेत्र के बोदा तिघरा गांव के पास की है। सूचना मिलते ही सिमरिया थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने मृतक और घायल को सिमरिया अस्पताल पहुंचाया। मृतक निकुंज के शव का मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया।

जांच में सामने आया कि दोनों श्रद्धालु अपने अन्य साथियों के साथ इनोवा कार से प्रयागराज महाकुंभ में गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। रात के समय कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवा संगम रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 18 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को एक ही छत के नीचे रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, आई.टी.आई. एवं जिला रोजगार कार्यालय सीधी द्वारा 18 फरवरी 2025 को शासकीय आई.टी.आई. मड़रिया सीधी के परिसर में एक दिवसीय युवा संगम संयुक्त रूप से रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है।

मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की लगभग 06 से 07 कंपनियों भाग ले रही है।

युवा संगम में शामिल होने हेतु समस्त आवेदक नीचे दी हुई लिंक में अपना पंजीयन कर मेले में शामिल हो सकते है।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन के तहत प्रदेश स्तरीय विशेष भर्ती अभियान में शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 11 फरवरी को किया गया। प्राचार्य प्रो. ओ.पी. नामदेव एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों तथा महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर प्लेसमेंट ड्राइव प्रारंभ किया गया।

रोजगार मेला में नियोजक कंपनी में डी.एम.सी.एफएस. पुणे, प्रगतिशील बायोटेक एवं प्रगतिशील एग्रोटेक कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार किया गया। रोजगार मेला में कुल पंजीयन 270 अभ्यर्थियों का हुआ, जिसमें 173 अभ्यर्थियों का सलेक्शन किया गया।

शहडोल में साइबर सुरक्षा पर विशेष बैठक, अधिकारियों को दी समझाइश, अनजान लिंक और संवेदनशील जानकारी साझा न करें

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर साइबर सुरक्षा पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों को साइबर अपराधों से बचाव और सुरक्षा के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि साइबर अपराध में इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों से की जाने वाली अवैध गतिविधियां जैसे व्यक्तिगत जानकारी की चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी और हैकिंग प्रमुख रूप से शामिल हैं। साइबर सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए, जिनमें अनजान लिंक पर क्लिक न करना, वेबसाइट के यूआरएल की सावधानीपूर्वक जांच करना और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना प्रमुख हैं।

बैठक में मजबूत पासवर्ड बनाने और उन्हें नियमित अंतराल पर बदलने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अधिकारियों को किसी भी संवेदनशील जानकारी को दूसरों के साथ साझा न करने की सलाह दी गई। साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने का निर्देश दिया गया।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, डीआईओ मधुकर सिंह और ओम जायसवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इससे संबंधित जानकारी को अपने-अपने विभागों में प्रसारित करने का संकल्प लिया।

|| विचार ||

सनम रे ! झूठ मत बोलो ,खुदा के पास जाना है

झूठ बोलना पाप है या पुण्य ये तो हम नहीं जानते लेकिन हमें पता है कि सियासत ने झूठ बोल-बोलकर नौकरशाही को भी झूठ बोलना सिखा दिया है। अब देश की ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की नौकरशाही भी जनता के समाने ही नहीं बल्कि विदेशी मेहमानों के समाने झूठ ही नहीं बल्कि सफेद झूठ बोलने में संकोच नहीं करती ,जबकि हमारे यहां हमेशा झूठ बोलने वालों को आगाह किया जाता रहा है ये कहकर कि- सनम रे ! झूठ मत बोलो खुदा के पास जाना है। लेकिन अब खुदा से डरता कौन है खबर मध्यप्रदेश के एक बड़े गांव में तब्दील हो चुके शहर ग्वालियर की है। पिछले दिनों संयुक्त राज्य अमेरिका के काउंसिल जनरल श्री माइक हैंकी दो दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर आए थे ।हैंकी सीधे ग्वालियर कलेक्ट्रेट पहुँचे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने उन्हें ग्वालियर के औद्योगिक वैभव व अन्य खूबियों से भी अवगत कराया और कहा कि ग्वालियर निवेश के लिये सबसे अच्छी व बड़ी संभावनाओं वाला क्षेत्र है।

कलेक्टर ने हैंकी को ग्वालियर की विशेषतायें बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर संगीत, कला व स्थापत्य के साथ-साथ औद्योगिक व आर्थिक रूप से भी समृद्ध रही है। ग्वालियर शहर देश की राजधानी नई दिल्ली के नजदीक होने के साथ-साथ उत्कृष्ट हवाई, रेलवे व सड़क सेवाओं से पूरे देश से जुड़ा है। ग्वालियर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का दिव्यांग खेल स्टेडियम, ट्रिपल आईटीएम व एलएनआईपीई जैसे राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान सहित कई विश्वविद्यालय हैं। इस प्रकार ग्वालियर एक शिक्षा का हब भी बन चुका है।

किसी भी निवेशक को प्रभावित करने के लिए आधा झूठ और आधा सच बोला जाता है ,लेकिन ग्वालियर कलेक्टर ने सफेद झूठ बोला। कलेक्टर ने हैंकि को ये तो बताया कि ग्वालियर में वेस्टर्न बायपास, एलीवेटेड रोड, आईएसबीटी व आगरा-मुम्बई सिक्सलेन एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े-बड़े प्रोजेक्ट मूर्तरूप ले रहे हैं। साथ ही अंतराष्ट्रीय स्तर का एयर टर्मिनल हाल ही में बनकर तैयार हुआ है। अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन निर्माणाधीन है। लेकिन ये नहीं बताया कि ये प्रदेश का वो अकेला शहर है जहां कोई सार्वजनिक परिवहन सेवा नहीं है । बस स्टेण्ड हैं लेकिन सिटी बसें नहीं हैं। हैंकि को ये भी नहीं बतया गया कि अब ग्वालियर में एक भी उद्योग नहीं बचा है।

33 करोड़ देवी देवताओं के भरोसे महाकुंभ? कहां है सरकार

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन चल रहा है। भक्तों में संगम जाकर स्नान करने की होड़ मची हुई है। माघ पूर्णिमा स्नान के लिए देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश और समीपव्रती राज्यों मे जाम लग गया है। प्रयागराज से 200 से 300 किलोमीटर ईद-गिर्द चार पहिया वाहन रेंग रहे हैं। वाहनो में श्रद्धालुओं का परिवार है। जिसमें छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी हैं कई घंटे तक भूखे प्यासे रहकर जाम में फंसे हुए हैं। आस्था इतनी प्रबल है, संगम में स्नान करने का मोह छोड़ नहीं पा रहे हैं। जो छोड़ना चाहते हैं, उन्हें वापस जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उत्तर प्रदेश की पुलिस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को अपनी पुलिस व्यवस्था करनी पड़ी। अन्य राज्यों मे जाम में फंसे यात्रियों के लिए चाय-नाश्ता, भोजन-पानी की व्यवस्था प्रशासनिक एवं जन सहयोग से सामाजिक संस्थाओं द्वारा करने की कोशिश की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता, संघ के अनुवांशिक संगठन, बजरंग दल और गौ रक्षक कहां छिपे हैं। इसको लेकर लोग चर्चा करने लगे हैं। पहली बार महाकुंभ के आयोजन में 100 करोड़ श्रद्धालुओं को संगम में दर्शन कराने, ठहराने, खाने-पीने की व्यवस्था करने का दावा उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने किया था। हिंदू संगठनों ने भी महाकुंभ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे। महाकुंभ शुरू होने के बाद जिस तरह से कई स्थानों पर भगदड़ मची। कुंभ मेला के क्षेत्र में कई जगहों पर आग लगी। अभी भी हजारों लोग कुंभ मेले से गायब हैं। जिसकी तलाश उत्तर प्रदेश की पुलिस अभी तक नहीं कर पाई है। उत्तर प्रदेश सरकार अभी तक मृतकों के आंकड़े को भी अपग्रेड नहीं कर पाई है। एक ही बार 30 श्रद्धालुओं की मौत होने का समाचार अधिकृत रूप से आया था। उसके बाद से लगातार अफवाहें चल रही हैं। माघ पूर्णिमा स्नान के पहले सैकडों किलोमीटर दूर तक का जाम लगा है। वह अपने आप में अभूतपूर्व है। प्रयागराज में दूध और खाने पीने की वस्तुओं का अभाव हो गया। प्रयागराज में आवश्यक वस्तुओं की कमी हो गई। बड़े वाहन प्रयागराज तक पहुंच ही नहीं पाए। प्रयागराज मे भारी भीड़ को देखते हुए जिन मुसलमानों को मेला क्षेत्र में घुसने नहीं दिया गया था। उन मुसलमान ने अपनी मस्जिद और घर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए। कुंभ में इसके पहले कभी भी इस तरह की अव्यवस्था नहीं देखी गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने 10000 करोड रुपए से ज्यादा महाकुंभ इंतजाम में खर्च किए। जो अभी तक खर्च की गई राशि में सबसे ज्यादा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दावा किया गया था। जगह-जगह हजारों की संख्या में कैमरे लगाए गए हैं। एआई तकनीकी की मदद ली गई है। बड़े-बड़े कई सेक्टर बनाए गए हैं। उनमें सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। पल-पल की जानकारी कंट्रोल रूम को मिल रही है। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव पल-पल की जानकारी ले रहे थे। प्रयागराज की व्यवस्था डिविजनल कमिश्नर के हाथों में थी। पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी मेला क्षेत्र में लगातार सुरक्षा व्यवस्था को देख रहे थे। यह सब कागजों तक सीमित होकर रह गया। मेला क्षेत्र में भारी गंदगी फैल गई। भोजन-पानी की समस्या लगातार बनी रही। पेयजल की आपूर्ति श्रद्धालुओं के बीच में नहीं हो सकी। भारी भीड़ और जाम की हालत को देखते हुए 13 फरवरी के सुबह तक के लिए वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई। ऐसी अव्यवस्था इसके पहले कभी देखने को नहीं मिली। महाकुंभ के इस इंतजाम को लेकर करोड़ों की संख्या में आए श्रद्धालु त्राहिमाम त्राहिमाम करते रह गए। ऐसी हालत में अव्यवस्था के बीच से व्यवस्था निकलना शुरू हो गई। जो श्रद्धालु जाम में फंसे थे, उन्होंने खुद व्यवस्था बनानी शुरू कर दी। श्रद्धालु कह रहे हैं, यदि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी देवता नहीं होते, तो वह सुरक्षित नहीं रहते। कुंभ मेले के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं के बीच में देवी देवताओं के बीच में आस्था की अलख जगी, जिसके कारण वह पूर्ण रूप से सुरक्षित होकर अपने घर वापस लौट रहे हैं। बहरहाल सरकार कागजों पर अपनी दुकान लगती है। कागजों पर पैसे खर्च हो जाते हैं। नेताओं और अधिकारियों की तिजोरियों में करोड़ों-अरबो रुपए पहुंच जाते हैं। जो राजनीतिक दल इस धार्मिक आस्था का फायदा उठा लेता है, वह सत्ता के सिंहासन पर बैठ जाता है। श्रद्धालु हमेशा समर्थ और शक्तिमान की पूजा करते हैं। उन्ही में श्रद्धालुओं भगवान का अंश देखते हैं। श्रद्धालुओं का अपना स्वयं का भाग्य होता है। इसमें देवी-देवता और सरकार क्या कर सकते हैं। यह सोचकर भक्त नियति से समझौता कर लेता है। यही हिंदू धर्म की आस्था और सत्य का प्रतीक है। दुनिया के देशों में जिस तरह से महाकुंभ के आयोजन को लेकर प्रचार प्रसार किया गया था। महाकुंभ की समाप्ति के पहले प्रचार प्रसार का यह ढोल पूरी तरह से फट गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की इससे पहले इतनी बड़ी बदनामी कभी नहीं हुई होगी, जो इस महाकुंभ में हुई है। बरबस हर आदमी के मुंह से निकल रहा है। अव्यवस्था के बीच में पहली बार व्यवस्था को निकलते हुए देखा है। अव्यवस्था से व्यवस्था कैसे बनती है, इसका उदाहरण यह महाकुंभ है। इसे कॉलेजों के पाठ्यक्रम में शामिल करके मैनेजमेंट ओर एडमिनिस्ट्रेशन के छात्रों और प्रबंधन के कार्य में लगे हुए लोगों को पढाने और सिखाने की जरूरत है।

विभागों की मलाई पर तकरार- भ्रष्टाचार पर कैसे होगा वार?

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है,यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार !तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है- भ्रष्ट+आचार,जिनके निम्न अर्थ हैं- भ्रष्ट=दूषित, गंदा, अनैतिक,गलत,आपराधिक,आचार=आचरण, व्यवहार,कार्यकप कार्य,तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो।हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है,मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है। दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है। गरीब की 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 90 रुपये की खपत करता है और 10 रुपये की बचत. तुलना में अमीर को 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 10 रुपये की खपत करता है और 90 रुपये की बचत करता है.मान लीजिए अमीर इंजीनियर ने गरीब किसान से 100 रुपये की घूस ली। गरीब की आय में 100 रुपये की गिरावट आयी, जिसके कारण बचत में 10 रुपये की कटौती हुई. परंतु अमीर इंजीनियर ने 100 रुपये की घूस में 90 रुपये की बचत की. इस प्रकार घूस के लेनदेन से कुल बचत में 80 रुपये की वृद्धि हुई। अमीर द्वारा गरीब का शोषण सामाजिक दृष्टि से गलत होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो गया।भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है। इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं। परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत और चीन की विकास दर अधिक है. भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है.मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के कारणों को समझने की करें तो, हम सभी ने कहीं ना कहीं इसे सिस्टम का हिस्सा मान कर अपना लिया है।हम भ्रष्टाचारियों को कोसते है पर वही अपना काम जल्दी कराने के लिये हम खुद उसे बढ़ावा भी देते हैं।ड्राइविंग लाइसेंस जल्दी नहीं बना रहा, थोड़ा खिला देंगे।पासपोर्ट के लिये पुलिस वेरिफिकेशन में समय लगेगा चलो थोड़ा साहब को खर्चा पानी दे देंगे 7हेलमेट नहीं पहना है , गाड़ी के कागज़ नहीं है , ट्रैफिक पुलिस वाले को 100-50 दे कर बच जायेंगे।सरकारी टेंडर हमें ही मिले इसके लिये सरकारी बाबू को थोड़ा मिठाई भिजवा देते है।और फिर जो पैसा उनकी खातिरदारी में खर्च होगा वो हम काम की गुड़वत्ता कम करके खानापूर्ति कर लेंगे 7हमारा इस सब को ले कर सब ठीक है ही इस सब का जिम्मेदार है, सिर्फ सरकारों को कोसने से कुछ नहीं होगा पहला बदलाव हमें खुद से शुरू करना होगा, अपनी सोच में परिवर्तन करके।

'जब मीरा बोली गुरु मिलया रविदास जी.

गुरु रविदास के पिता जूते बनाने व पुराने जुते ठीक करने का काम करते थे। रविदास बचपन में बहुत कुशाग्र व भगवान् को मानने वाले एक अच्छे बालक रहे। उन्हें उच्च कुल वालों के कारण हीन भावना का शिकार होना पड़ता था, गुरु रविदास ने समाज को बदलने के लिए अपनी कलम का सहारा लिया, वे अपनी रचनाओं में अच्छे जीवन के बारे में लोगों को समझाते थे।लोगों को शिक्षा भी देते थे कि व्यक्ति को बिना भेदभाव के सबसे अपने समान प्रेम करना चाहिए। अवतरित संतो में महान संत गुरु रविदास का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के निकट सीर गोबर्धनगाँव में हुआ था। इनकी माता कलसा देवी व पिता संतोख दास थे,बहुत ही गरीबी में अपना जीवन यापन करते थे।लेकिन एक सरपंच के रूप में उनकी बहुत ख्याति भी थी।गुरु रविदास का जन्म सन1376-77 के आस पास हुआ था, ऐसा बताते है कुछ लोग सन 1399 में तो कुछ दस्तावेजों के अनुसार संत रविदास ने सन1450 से 1520 के बीच अपना जीवन इस धरा पर बिताया ।

रविदास ने गुरु पंडित शारदा नन्द की पाठशाला में शिक्षा प्राप्त की। पंडित शारदा नन्द ने रविदास की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें भगवान द्वारा भेजा हुआ एक बच्चा बताया और उन्हें शिक्षा दी। रविदास एक प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र थे, उनके गुरु जितना उन्हें पढ़ाते थे, उससे ज्यादा वे अपनी समझ से शिक्षा गृहण कर लेते थे।पंडित शारदा नन्द अपने शिष्य रविदास से बहुत खुश रहते थे, उनके आचरण और प्रतिभा को देख वे सोचा करते थे कि रविदास एक दिन उच्चकोटि का आध्यात्मिक गुरु और महान समाज सुधारक बनेगा।उनके गुरु की यह सोच संत रविदास के प्रतिष्ठित होने पर चरितार्थ भी हुई।

रविदास के साथ पाठशाला में पंडित शारदा नन्द का बेटा भी पढ़ता था, वे दोनों अच्छे मित्र थे। एक बार वे दोनों छुपन छुपाई का खेल रहे थे,रात हो जाने पर बच्चों ने अगले दिन फिर से खेलना तय किया। दुसरे दिन सुबह रविदास खेलने के लिए आ गए लेकिन उनका गुरुभाई मित्र नहीं आया। तब वे उसके घर गए तो पता चला कि रात को उनके मित्र की मृत्यु हो गई थी। यह पता चलते ही शोक में डूबकर रविदास सुन्न हो गए है, तब उनके गुरु शारदा नन्द उन्हें मृत मित्र के पास ले गए रविदास अपने मृत मित्र से कहते है कि ये सोने का समय नहीं है, उठो और मेरे साथ खेलो।यह सुनते ही उनका मृत मित्र पुन: जीवित होकर खड़ा हो गया। जिससे हर कोई अचंभित हो गया ।रविदास जैसे जैसे बड़े हुए भगवान राम के रूप के प्रति उनकी भक्ति बढ़ती गई। वे हमेशा राम, रघुनाथ, राजाराम चन्द्र, कृष्णा, हरी, गोविन्द आदि शब्दो का उपयोग करते थे,जो उनके धार्मिक होने का प्रमाण है।संत

रविदास उस समय की कृष्ण भक्त मीरा बाई के धार्मिक गुरु भी थे। मीरा बाई राजस्थान के राजा की बेटी और चित्तोर की रानी थी।

20 मिनट में 60 लाख की डकैती

चुनाव के बीच घर में घुसे 5 डकैत, पिस्टल अड़ाकर कहा-घर को बम से उड़ा देंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में नगरीय निकाय चुनाव के दौरान दिनदहाड़े करीब 20 मिनट के अंदर 60 लाख की डकैती की वारदात हुई है। डकैत आर्मी ड्रेस पहनकर घर के भीतर घुसे थे। उन्होंने घर के भीतर बुजुर्ग को धमकाते हुए बंधक बना लिया। लाल सलाम बोलकर कहा कि अगर हल्ला किया तो घर को बम से उड़ा देंगे। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक शंकर नगर इलाके के अनुपम नगर में डकैत कार से पहुंचे थे। कार से उतरते हुए 4 डकैत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। इनके साथ एक महिला भी थी। पांचों डकैतों ने प्रेम वेल्लू (71), रजनी वेल्लू(67) और मनोहर वेल्लू (70) को बंधक बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया है।

4 पुरुष और एक महिला डकैत: सीसीटीवी के मुताबिक, 2 बजकर 47 मिनट में एक सफेद रंग की रिट्ज कार में 5 लोग पहुंचे, जिनमें 4 पुरुष हैं और एक महिला थी। सभी के चेहरे ढके हुए थे। इनमें से 2 पुरुष आर्मी की ड्रेस में थे। वहीं 2 अन्य लोग काले सफेद रंग के ड्रेस में थे।

इनके साथ एक महिला भी थी, जिसने चेहरा ढक रखा था। एक-एक करके सभी डकैत मनोहर वेणु के घर के भीतर घुसे, फिर कुछ देर बाद महिला कार उतरकर अंदर गई।

अंदर जाकर कहा-पुलिस में आपने शिकायत की थी, हम पहुंच गए: इस दौरान घर के भीतर मनोहर और उसकी दो बहनें थीं। आर्मी ड्रेस पहने एक डकैत ने कहा कि आपने पुलिस में शिकायत की थी। हम लोग आ गए हैं। इसके बाद शुरुआत में आर्मी ड्रेस पहने 2 डकैत घर के भीतर घुसे।

घर के लोगों ने शिकायत से इनकार किया। इसके बाद भी वह घर के भीतर ही रहे, फिर कार से 2 अन्य युवक उतरे और वह भी घर के अंदर चले गए। दो-तीन मिनट बाद एक युवक बाहर आया और इशारा कर डकैत महिला को भी घर के अंदर बुलाया।

मनोहर के मुंह पर टेप बांधा, हाथ पैर भी बांधे: घरवालों को शक होते ही उन्होंने डकैतों का विरोध किया। डकैतों ने मिलकर मनोहर के मुंह पर टेप लगा दिया। इसके अलावा हाथ पैर को भी बांध दिया। घर में दो अन्य महिला मौजूद थी। उन पर पिस्टल अड़ाकर जान से मारने की धमकी दी।भाई और दोनों बहन डर गए। डकैत घर के दरवाजे को अंदर से बंद कर दिए थे।

अलमारी से कैश निकाले और 60 लाख लेकर भागे: बताया जा रहा है कि मनोहर वेणु ने कुछ दिन पहले ही अपनी पुरखौती जमीन का सौदा किया था, जिससे उन्हें 60 लाख रुपए मिले थे। पैसा को उन्होंने घर में अलमारी में रखा था। पैसों को डकैतों ने लूटा, फिर परिवार के लोगों को वह उसी हालत में छोड़कर एक-एक कर घर से निकल कर फरार हो गए।

पीड़ितों से पूछताछ की जा रही: क्राइम ब्रांच एएसपी संदीप मित्तल ने बताया कि ये घटना 2 से 3 बजे के बीच की है। पुलिस को साढ़े 3 बजे सूचना मिली थी। पिस्टल जैसा हथियार भी रखे थे। पीड़ितों से पूछताछ की जा रही है। पाड़ित साउथ इंडिया के रहने वाले हैं। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

2 दिन पहले रायपुर में फायरिंग: रायपुर में 2 दिन पहले फायरिंग भी हुई थी। एक युवक ने विवाद के बाद 2 हवाई फायरिंग की। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। युवक ने आपसी विवाद के बाद गोली चलाई। गोली चलाने वाले का नाम तैफुद्दीन उर्फ टप्पू है। आरोपी ने चिकनी मंदिर के पास मोह. कलीम से विवाद के बाद देशी पिस्टल से 2 राउंड फायरिंग की। पुलिस ने 2 आरोपियों से पिस्टल और खाली खोखा जब्त किया है।

जिले में निकाय चुनाव में 62.46 प्रतिशत मतदान, महिलाओं की भागीदारी ने बनाया नया रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में चुनावी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। लोकतंत्र के इस महापर्व में जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले के छह प्रमुख नगरीय निकायों नगरपालिका निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़, नगर पंचायत झगराखाण्ड, नगर पंचायत खोंगापानी, नगर पंचायत नई लेदरी और नगर पंचायत जनकपुर में मतदान का प्रतिशत काफी उत्साहजनक रहा। पूरे जिले में कुल मतदाता संख्या 66,234 है, जिसमें 32,532 पुरुष और 33,702 महिला मतदाता शामिल हैं। खास बात यह रही कि महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया, जिससे यह साबित होता है कि वे अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पहले से अधिक सक्रिय हो गई हैं। नगरपालिका निगम चिरमिरी जिले का सबसे बड़ा नगरीय निकाय है। यहां कुल 40 वार्ड हैं और मतदान प्रतिशत 60.49 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक मतदान किया। यह उत्साहजनक संकेत है कि महिलाएं अब अपने मताधिकार को लेकर अधिक जागरूक हो रही हैं। मनेन्द्रगढ़ नगर में कुल 22 वार्ड हैं, मतदान प्रतिशत 59.97 प्रतिशत रहा, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया। झगराखांड में मतदान प्रतिशत 77.54 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो जिले में सबसे अधिक है। यहां महिलाओं ने 78.32 प्रतिशत और पुरुषों ने 76.71 प्रतिशत मतदान किया। यह दर्शाता है कि झगराखांड के लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर अत्यधिक जागरूक हैं। वहीं, खोंगापानी नगर पंचायत में मतदान प्रतिशत 62.65 प्रतिशत रहा। यहां भी महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया। नई लेदरी में मतदान प्रतिशत 73.7 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो जिले के औसत मतदान प्रतिशत से अधिक है। महिलाओं की भागीदारी यहां भी पुरुषों की तुलना में अधिक रही। जनकपुर में मतदान प्रतिशत 73.81 प्रतिशत रहा। यहां पर पुरुषों का मतदान प्रतिशत महिलाओं से थोड़ा अधिक रहा, जो जिले के अन्य निकायों से अलग स्थिति दिखाता है। पूरे जिले की बात करें, तो कुल मतदान प्रतिशत 62.46 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 60.94 प्रतिशत और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 64.01 प्रतिशत रहा। यह जानकारी 4:00 बजे तक के मतदान के अनुसार है।

पैसे बांटते भाजपा प्रत्याशी का देवर पकड़ाया

लोगों ने घेरा थाना, पार्षद पति बोला- ग्राहक से रुपए लेकर आ रहा था भाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में नगरीय निकाय चुनाव के दौरान भाजपा प्रत्याशियों पर पैसे बांटने के लगातार आरोप लगते रहे। ऐसे ही कोनी स्थित वार्ड क्रमांक 68 राम कृष्ण परमहंस नगर में चुनाव से एक दिन पहले भाजपा पार्षद प्रत्याशी का देवर पैसे बांटते पकड़ा गया। नाराज लोगों ने उसे पुलिस के हवाले किया। लेकिन, कार्रवाई नहीं हुई तो थाने का घेराव कर जमकर हंगामा मचाया। इधर, पार्षद पति ने पैसे बांटने के आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि छोटे भाई को ग्राहक से रुपए लेकर घर आ रहा था, जिसे लोगों ने पकड़ा है। वहीं, पुलिस ने शिकायत पर जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है।

वार्ड क्रमांक 68 में भाजपा नेता अमित मिश्रा की पत्नी ममता मिश्रा भाजपा से पार्षद का चुनाव लड़ रही हैं। रविवार की रात चुनाव प्रचार थमने के बाद से प्रत्याशी घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं। वहीं, मतदाताओं को अपने पक्ष में वोट डालने की अपील करते रहे। मतदान से पहले शाम को अमित मिश्रा का भाई और प्रत्याशी का देवर आशीष मिश्रा 500-500 रुपए के बंडल और लिफाफे के साथ पकड़ा गया। इस दौरान लोगों ने उसका वीडियो बनाया और पैसे बांटने का आरोप लगाते हुए पुलिस को बुला लिया।

पकड़ कर ले गए थानेदार, नहीं हुई कार्रवाई: इस घटना की जानकारी मिलते ही टीआई नवीन देवांगन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पैसे के साथ आशीष मिश्रा को पकड़कर थाने ले गए।

पति ने की कुल्हाड़ी मारकर पत्नी की हत्या

जबरन संबंध बनाने की मांग, मना करने पर मार डाला, दो बच्चे अनाथ

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव (एजेंसी)। कोंडागांव में एक पति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। घटना से एक दिन पहले नशे में धुत आरोपी गुरु प्रसाद ने पत्नी पूर्णिमा से संबंध बनाने की मांग की, मना करने पर उसने कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना रविवार की है। दोनों की शादी 2015 में हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। घटना से एक दिन पहले पूरा परिवार मारंगपुरी मेले में गया था। वारदात के समय घर में कोई नहीं था।

संबंध बनाने से मना करने पर हत्या: मृतका के भाई जगदीश मरकाम ने बताया कि रात को जब पूर्णिमा सो रही थी, रात 12 बजे नशे में धुत गुरु प्रसाद ने उसे जबरन जगाया और संबंध बनाने की मांग की। पूर्णिमा के मना करने पर उसने कुल्हाड़ी से हत्या कर दी।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल: शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया: थाना विश्रामपुरी के निरीक्षक भुनेश्वर नाग के नेतृत्व में टीम ने आरोपी को पकड़ा और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस घटना से दो मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है और पिता जेल में है।

2 दिन में अवैध शराब के 42 केस

चुनाव से पहले पुलिस का एक्शन, 4 हजार 805 लीटर महुआ शराब जब्त, 43 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में नगरीय निगम चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी पर कार्रवाई की। इस दौरान पिछले दो दिन के भीतर 42 केस दर्ज किए गए। जिसमें 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 4 हजार 805 लीटर शराब जब्त किया गया है। एसपी रजनेश सिंह ने नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय चुनाव को देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, जिसमें अवैध शराब का कारोबार करने वालों पर भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके बादसभी थानों के टीआई के नेतृत्व में टीम तैयार कर छापेमारी की गई। इस दौरान सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 3 मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के पास से 108 लीटर शराब जब्त की गई। इसी तरह सिटी कोतवाली क्षेत्र में 7 प्रकरणों में 8 को गिरफ्तार कर 162 लीटर शराब बरामद की गई। सरकंडा से 15 केस बने। यहां 15 आरोपियों से 1768 लीटर, चकरभाठा से 6 प्रकरणों में 6 आरोपियों से 250 लीटर, कोटा से 11 प्रकरणों में 11 आरोपियों से 2517 लीटर शराब जब्त किया गया। इस दौरान 42 मामले में 43 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अवैध शराब के कारोबार में महिलाएं: पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान कई महिलाएं अवैध शराब का धंधा करते पकड़ी गई है। ग्रामीण इलाकों में महिलाओं ने महुआ शराब बेचने का धंधा शुरू कर दिया है। इस कार्रवाई से पहले पुलिस ने महिलाओं को समझाइश भी दी थी। लेकिन, पैसा कमाने के लालच में उन्होंने पुलिस की चेतावनी को भी नजरअंदाज कर दिया।

एसपी बोले- अवैध शराब पर जारी रहेगी कार्रवाई: एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश जारी कर चुनाव के बाद भी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। ताकि, अवैध कारोबार में शामिल लोगों की धरपकड़ की जा सके और अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लग सके।

सड़क हादसे में गई लकवाग्रस्त व्यक्ति की जान

पानी टैंकर ने कुचला, परिजनों ने की 5 लाख मुआवजे की मांग

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जांजगीर चांपा जिले में एक सड़क हादसे में लकवाग्रस्त व्यक्ति की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे बलौदा-अकलतरा बस स्टैंड के पास की यह घटना है, जहां एक तेज रफ्तार पानी टैंकर ने सड़क किनारे चल रहे व्यक्ति को कुचल दिया।

मृतक की पहचान संतोष यादव के रूप में हुई है, जो लकवा बीमारी से पीड़ित थे और लाठी के सहारे चल रहे थे। अकलतरा से पानी का छिड़काव करके लौट रहे टैंकर ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे संतोष के सिर पर टायर चढ़ गया और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई।

टैंकर ने पीछे से मारी टक्कर: घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। गुस्साए लोगों ने टैंकर के शीशे भी तोड़ दिए। बलौदा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

5 लाख रुपए मुआवजे की मांग: मृतक के परिजनों ने 5 लाख रुपए मुआवजे की मांग की है। प्रशासन की ओर से 25 हजार रुपए की तत्काल सहायता राशि तहसीलदार के माध्यम से दी जाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना की जांच जारी है।

99 साल की बुजुर्ग महिला को वोट डालने से रोका

एडीएस लिस्ट में नाम होने से विवाद, नाराज परिजनों ने किया हंगामा

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद में 99 साल की बुजुर्ग महिला को वोट देने से रोक दिया गया। दरअसल, पीठासीन अधिकारी ने बुजुर्ग महिला खम्मा बाई सांखला जैन का नाम एडीएस (एब्सेंट/डेथ/शिफ्टेड) सूची में होने का हवाला देकर उन्हें मतदान करने से मना कर दिया।

इस घटना के बाद नाराज प्रत्याशी और परिजनों ने वार्ड नंबर 10 के मतदान केंद्र पर जमकर हंगामा किया। विवाद बढ़ता देख पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।

एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत: जांच में सामने आया कि पीठासीन अधिकारियों को ही नियमों की पूरी जानकारी नहीं थी। एसडीएम सुरेश साहू के हस्तक्षेप के बाद स्थिति स्पष्ट हुई कि बुजुर्ग महिला का नाम संभावित मतदाताओं की सूची में था और उन्हें मतदान का पूरा अधिकार है।

सर्वे के दौरान हुई थी गड़बड़ी: राजस्व विभाग के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि उम्रदराज मतदाताओं को, जो भूतल स्तर के सर्वे के दौरान नहीं मिल पाते हैं, उन्हें संभावित मतदाताओं की सूची में रखा जाता है।

मतदान की मिली अनुमति: इस स्पष्टीकरण के बाद खम्मा बाई को मतदान की अनुमति दी गई और उनके मतदान के बाद विवाद शांत हो गया। पूरी घटना के दौरान पुलिस पेट्रोलिंग टीम मौके पर मौजूद रही, हालांकि उन्होंने इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मतदान दिवस में भी रहे सक्रिय, वार्ड के लगभग बूथ सेंटर में बैठ लिया मतदान का जायजा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आज एमसीबी जिले के एक नगर पालिक निगम, एक नगर पालिका और चार नगर पंचायत के मेयर, अध्यक्ष और पार्षद पद के लिए जनता ने जनादेश दिया। सुबह 08 बजे से शुरू हुआ मतदान का पर्व शाम 05 बजे थमा। बड़ी संख्या में मतदाताओं की उपस्थिति और महिलाओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखा। इस नगरीय निकाय 2025 के चुनावी पर्व में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होने के बाद से लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे स्थानीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मतदान के दिन भी सुबह से ही वार्ड के सभी पोलिंग सेंटरों में अपना दौरा बनाए रखे। इस दौरान आम जनता से मुलाकात के साथ साथ चुनावी जंग में शामिल प्रत्याशियों से बात की और कुछ देर सेंटर में बैठकर जनता का नब्ज भी टटोला।

चिरमिरी के हल्दीबाड़ी बूथ सेंटर में मीडिया से रूबरू हुए मंत्री ने कहा कि चिरमिरी सदैव से भारतीय जनता पार्टी का गढ़ रहा है और जनता ने डबल इंजन की सरकार बनाई है। भाजपा ने इस विधानसभा को सरकार में मंत्री दिया है इसलिए लोगों को बड़ी उम्मीदें है, बड़ा उत्साह है विकास को लेकर, सौंदर्यीकरण को लेकर और यही कारण है कि आज भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में पूरा चिरमिरी शहर है। भाजपा का मेयर प्रत्याशी राम नरेश राय और 40 वार्ड पार्षद प्रत्याशी प्रचंड मत से विजय होंगे। जायसवाल ने प्रतिष्ठा दाव के मामले में कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब चुनाव लड़ती है तो उसके एक एक कार्यकर्ता और पार्टी की प्रतिष्ठा दाव पर रहती है और एक कार्यकर्ता होने के नाते मेरी भी प्रतिष्ठा दाव पर लगी थी इसलिए आप देख भी रहे होगे कि चिरमिरी डबल इंजन को पुश करने के लिए ट्रिपल इंजन के पक्ष में जनता जनार्दन मतदान कर रही है। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत सहित वार्ड में भाजपा प्रत्याशी जीत का स्वाद चखेंगे।

जिले में निकाय चुनाव में 62.46 प्रतिशत हुआ मतदान: जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में चुनावी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। लोकतंत्र के इस महापर्व में जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले के छह प्रमुख नगरीय निकायों नगरपालिका निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद् मनेन्द्रगढ़, नगर पंचायत झगराखाण्ड, नगर पंचायत खोंगापानी, नगर पंचायत नई लेदरी और नगर पंचायत जनकपुर में मतदान का प्रतिशत काफी उत्साहजनक रहा। पूरे जिले में कुल मतदाता संख्या 66,234 है, जिसमें 32,532 पुरुष और 33,702 महिला मतदाता शामिल हैं। खास बात यह रही कि महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया, जिससे यह साबित होता है कि वे अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पहले से अधिक सक्रिय हो गई हैं। नगरपालिका निगम चिरमिरी जिले का सबसे बड़ा नगरीय निकाय है। यहां कुल 40 वार्ड हैं और मतदान प्रतिशत 60.49 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक मतदान किया। यह उत्साहजनक संकेत है कि महिलाएं अब अपने मताधिकार को लेकर अधिक जागरूक हो रही हैं। मनेन्द्रगढ़ नगर में कुल 22 वार्ड हैं, मतदान प्रतिशत 59.97 प्रतिशत रहा, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया। झगराखांड में मतदान प्रतिशत 77.54 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो जिले में सबसे अधिक है। यहां महिलाओं ने 78.32 प्रतिशत और पुरुषों ने 76.71 प्रतिशत मतदान किया। यह दर्शाता है कि झगराखांड के लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर अत्यधिक जागरूक हैं। वहीं, खोंगापानी नगर पंचायत में मतदान प्रतिशत 62.65 प्रतिशत रहा। यहां भी महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया। नई लेदरी में मतदान प्रतिशत 73.7 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो जिले के औसत मतदान प्रतिशत से अधिक है। महिलाओं की भागीदारी यहां भी पुरुषों की तुलना में अधिक रही। जनकपुर में मतदान प्रतिशत 73.81 प्रतिशत रहा। यहां पर पुरुषों का मतदान प्रतिशत महिलाओं से थोड़ा अधिक रहा, जो जिले के अन्य निकायों से अलग स्थिति दिखाता है। पूरे जिले की बात करें, तो कुल मतदान प्रतिशत 62.46 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 60.94 प्रतिशत और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 64.01 प्रतिशत रहा। यह जानकारी 4:00 बजे तक के मतदान के अनुसार है।

12 लाख में बीएसएफ कॉन्स्टेबल की नौकरी का सौदा

दलालों ने कोचिंग सेंटर से चुने कैंडिडेट्स, जमीन-ऑटो बेचकर दिए पैसे, रायपुर से आए जॉइनिंग लेटर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) में आरक्षक की नौकरी के लिए दलालों ने अभ्यर्थियों से 12 लाख रुपए में सौदा किया था। इसके बदले में उन्हें न तो लिखित परीक्षा देनी थी और न ही फिजिकल टेस्ट पास करना था।सीधे लेटर ले जाकर जॉइनिंग करना था।

यह खुलासा ग्वालियर के टेकनपुर स्थित बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे छत्तीसगढ़ के 9 फर्जी अभ्यर्थियों ने पूछताछ में किया है। इन्हें 21 से 25 जनवरी के बीच पकड़ा गया है। पुलिस ने उन्हें 11 फरवरी तक रिमांड पर लिया है।

दरअसल, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (स्सष्ट) ने केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बलों में आरक्षक भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित कराई थी। फिजिकल टेस्ट में पास होने के बाद अभ्यर्थियों के दस्तावेजों और बायोमैट्रिक जांच होनी थी। इसी दौरान ये फर्जी कैंडिडेट पकड़ में आ गए।

आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की तो उन्होंने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। बताया कि दलालों ने बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर में आरक्षक की एक पोस्ट के लिए हर अभ्यर्थी से 12-12 लाख रुपए में सौदा किया था। इसके लिए बीएसएफ के रायपुर (छत्तीसगढ़) से जॉइनिंग लेटर आए थे, ये बिल्कुल ऑरिजनल थे। हालांकि, ये उन अभ्यर्थी के थे, जो लिखित और फिजिकल पास कर चुके थे।

एजेंट को रुपए देने के लिए एक अभ्यर्थी ने अपनी एक बीघा जमीन बेच दी। एक ने ऑटो बेचकर एडवांस चुकाया है।

एलओसी के पास आईडी ब्लास्ट, 2 जवान शहीद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में एलओसी के पास लालोली इलाके में आईडी ब्लास्ट हुआ। इसमें सेना के दो सैनिक शहीद हो गए। एक अन्य घायल जवान की हालत स्थिर बताई जा रही है। उसकी जान को कोई खतरा नहीं है। यह धमाका मंगलवार को करीब 3:30 बजे भट्टल इलाके में हुआ, जब सेना के जवान गश्त पर थे। सेना के प्रवक्ता ने दैनिक भास्कर को बताया- फौजी गश्त कर रहे थे, तभी ब्लास्ट हुआ। इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। व्हाइट नाइट कोर ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी है। सेना से जुड़े सूत्रों ने दावा किया कि शहीद हुए फौजियों के नाम कैप्टन केएस बख्शी और मुकेश हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले 14 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के राजौरी में स्फोट के पास लैंडमाइन ब्लास्ट में गोरखा राइफल्स के 6 जवान घायल हो गए। ब्लास्ट भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-ईवीएम से डेटा डिलीट नहीं करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के वेरिफिकेशन के लिए पॉलिसी बनाने की मांग वाली एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका पर सुनवाई हुई। एडीआर ने याचिका में कहा कि ईवीएम के वेरिफिकेशन के लिए चुनाव आयोग की तरफ से बनाए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल 2024 में दिए गए फैसले से मेल नहीं खाते हैं। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने तक ईवीएम में कोई डेटा रिलोड न करें, न कोई डेटा डिलीट करें। सीजेआई ने कहा, यह कोई विरोध की स्थिति नहीं है। अगर हारने वाले उम्मीदवार को कोई स्पष्टीकरण चाहिए, तो इंजीनियर यह स्पष्ट कर सकता है कि कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। इलेक्शन कमीशन को अब सुप्रीम कोर्ट में ईवीएम की मेमोरी और माइक्रो कंट्रोलर डिलीट करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देनी होगी। अगली सुनवाई 3 मार्च से शुरू होने वाले हफ्ते में होगी।

मुकेश अंबानी फैमिली ने संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने बेटे अनंत, बहू राधिका मर्चेंट और मां कोकिलाबेन अंबानी के साथ महाकुंभ पहुंचे। अंबानी फैमिली ने संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ में विदेशी श्रद्धालु भी भक्ति में लीन हैं। सेक्टर-17 स्थित शक्ति धाम शिविर में 68 विदेशी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ सनातन धर्म को अपना लिया। संगम में आज भी जबरदस्त भीड़ है। हर जगह लोग ही लोग नजर आ रहे हैं। शहर में जाम जैसे हालात हैं। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए कमिश्नर प्रयागराज विजय विश्वास पंत और डीआईजी अजय पाल शर्मा सड़क पर उतर गए हैं।

ममतागरीब से गरीब के जीवन में बदलाव लाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद राजनैतिक दलों की दिशा और विचार प्रक्रिया निर्धारित की।

साम्यवाद और पूंजीवाद के संघर्ष के उस दौर में उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन दिया और अंत्योदय की अवधारणा के माध्यम से यह स्थापित किया कि गरीब की भलाई ही सत्ता की सर्वोच्च प्राथमिकता हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस विचार का अनुसरण करते हुए गरीबों को निःशुल्क अन्न, पक्के मकान, बच्चों की बेहतर शिक्षा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को अस्पतालों में 5 लाख रूपए तक निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की। राज्य सरकार पं.दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाना हमारा उद्देश्य है। प्रदेश में आरंभ की गई पीएमश्री एयर एंबुलेंस सुविधा का लक्ष्य हर गरीब और जरूरतमंद को आवश्यक इलाज उपलब्ध

कराना है। यही पं.दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य-तिथि पर भोपाल में लाल घाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिमा स्थल पर नगर निगम भोपाल द्वारा लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से विकसित हो रही नमो वन वाटिका का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 417 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया, जिसमें अमृत 2.0 परियोजना के अंतर्गत 400 करोड़ रूपए लागत की सीवरेज परियोजना, तीन करोड़ रूपए की लागत से क्रय चार सीवर कम जैटिंग मशीनों और बस स्टाप के रूप में परिवर्तित की गईं पुरानी बसों का लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य-तिथि पर समर्पण दिवस के अंतर्गत समर्पण निधि में योगदान भी दिया।

बेंगलुरु एयरो इंडिया शो में पहुंचे 30 देशों के मिनिस्टर

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में एशिया के सबसे बड़े एयर शो एयरो इंडिया 2025 की शुरुआत हो चुकी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रक्षा मंत्रियों के बीआरआईडीजीई कॉन्क्लेव में कहा कि कमजोर रहकर कोई देश कभी भी शांति नहीं ला सकता, केवल मजबूत होकर ही हम बेहतर दुनिया के लिए काम कर सकते हैं। राजनाथ ने कहा कि बॉर्डर सुरक्षा और देश की आंतरिक सुरक्षा के बीच का फर्क खत्म होता जा रहा है। अब हाईब्रिड वॉरफेयर की मदद से शांतिकाल में भी देश के अहम

इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जा सकता है। इसलिए हमें तैयार रहने की जरूरत है।

सिंह ने कहा, शांति का वट वृक्ष केवल शक्ति की जड़ों पर ही खड़ा हो सकता है। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मुझे लगता है कि एयरो इंडिया के रूप में एक और महाकुंभ शुरू हुआ है। प्रयागराज महाकुंभ आत्म-खोज का कुंभ है, वहीं एयरो इंडिया रिसर्च का कुंभ है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद, साइबर अपराध, मानवीय संकट और जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाएं भारत के लिए बड़ी चुनौती हैं, जो सीमाओं से परे जाकर दुनिया को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने बीआरआईडीजीई पहल के जरिए वैश्विक सहयोग और सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करने की बात कही। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच 'स' के सिद्धांत- सम्मान, संवाद, सहयोग, शांति और समृद्धि को भारत की अंतरराष्ट्रीय नीति का आधार बताया।

पंजाब के आप विधायकों को केजरीवाल के 3 मंत्र, कहा- लोगों से जुड़ो, मुद्दे पहचानो, डटकर लड़ो

पंजाब/नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद अब आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस पंजाब पर है। राजधानी की हार का असर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर ना पड़े इसके लिए मंगलवार को पंजाब के सभी विधायकों को दिल्ली स्थित कपूरथला हाउस में बुलाया गया था। यहां पर करीब 30 मिनट तक पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नेताओं को मोटिवेट किया। मीटिंग के दौरान उन्होंने नेताओं को तीन मंत्र दिए। उन्होंने कहा- लोगों से जुड़ो, मुद्दों को पहचानों और डटकर लड़ो। सूत्रों की मानें तो इस

मीटिंग के बाद अब पार्टी के वर्किंग स्टाइल में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। पंजाब में सत्ता में आने से लेकर अभी तक प्रदेश में हुए हर चुनाव में आप नेता दिल्ली मॉडल पेश कर वोट मांग रहे थे, लेकिन अब जब दिल्ली में ही पार्टी सत्ता से बाहर हो गई है तो ऐसे में दिल्ली मॉडल के नाम पर वोट मांगना असंभव सा हो गया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगी ममता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद एक बार फिर इंडिया ब्लॉक की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दिल्ली के नतीजों के बाद ममता बनर्जी ने भी कहा कि वे 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगी। इस पर शिवसेना उद्धव गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दिल्ली

में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की पार्टी राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव हमेशा अकेले लड़ती आ रही हैं। लेकिन मेरा मानना है कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में इंडिया ब्लॉक से नाता तोड़ लिया है। हालांकि, केंद्र में वे गठबंधन का हिस्सा हैं। इस नाते उन्हें कांग्रेस पार्टी से एक बार जरूर बात करनी चाहिए। कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा दल है।

केजरीवाल-संजय सिंह पर एक्शन लेगा एंटी-करप्शन ब्यूरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एंटी करप्शन ब्यूरो आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में है। इनमें दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, मुकेश अहलावत और संजय सिंह शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार,एसीबी की तरफ से भेजे गए नोटिस का जवाब न मिलने पर यह कदम उठाया जा सकता है। अगर आप की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया तो एसीबी दिल्ली पुलिस को लेटर लिखकर इन नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश करेगी।

इससे पहले 7 फरवरी को एसीबी की टीम अरविंद केजरीवाल, सांसद संजय सिंह और मुकेश अहलावत के घर जांच के लिए पहुंची थी। करीब डेढ़ घंटे तक केजरीवाल के घर में जांच की, लीगल नोटिस दिया और रवाना हो गई।

दिल्ली चुनाव नतीजों से एक दिन पहले केजरीवाल ने दावा किया था कि भाजपा उनके विधायकों और कैंडिडेट्स को फोन पर 15-15 करोड़ के ऑफर दे रही है। इसके बाद भाजपा ने दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर आरोपों की जांच की मांग की थी। एलजी ने जांच का जिम्मा एसीबीको सौंपा था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-कानून तोड़ने वाले कानून कैसे बना सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या दोषी सांसदों और विधायकों के चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए बैन लगना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से इस पर 3 हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र सरकार और चुनाव

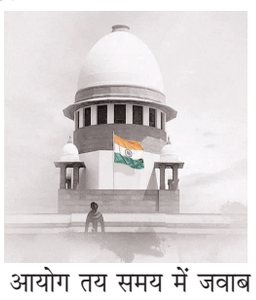

आयोग तय समय में जवाब नहीं भी देते तो वे मामले को आगे बढ़ाएंगे। कोर्ट ने अगली सुनवाई 4 मार्च के लिए निर्धारित की है। कोर्ट ने कहा कि दोषी नेताओं पर केवल छह साल तक चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। जस्टिस मनमोहन और दीपांकर दत्ता ने कहा...अगर किसी सरकारी कर्मचारी को दोषी ठहराया जाता है तो वह जीवन भर के लिए सेवा से बाहर हो जाता है। फिर दोषी व्यक्ति संसद में कैसे लौट सकता है?

जम्मू-कश्मीर में अगले 48 घंटे बर्फबारी-बारिश की संभावना

जम्मू/भोपाल/नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 3 बाद सोमवार को बर्फबारी हुई। इस दौरान गुलमर्ग, सोनमर्ग, दूधपटरी और दूसरे ऊंचे इलाकों में 3-6 इंच तक बर्फबारी दर्ज की गई। श्रीनगर में मिनिमम टेम्परेचर 3.0 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटों में कश्मीर के कई स्थानों और जम्मू के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। आसमान छाए रहेंगे। कोल्डवेव का भी असर रहेगा। दिल्ली में सोमवार को दिन का पारा 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। ये सामान्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को हल्का कोहरा रहेगा और बादल भी छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने आज केवल पश्चिम बंगाल में घने कोहरे की संभावना जताई है।

इसके अलावा असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में बिजली, गरज और बारिश का अनुमान है।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष को हटाने की मांग, पार्टी का इनकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष के बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ राज्य के कुछ विधायकों और नेताओं ने असंतोष जाहिर करते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है। हालांकि, पार्टी हाईकमान ने उन्हें हटाने से इनकार करते हुए विजयपुरा के विधायक को नोटिस जारी किया है। विजयेंद्र, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे हैं। पार्टी हाईकमान ने शिकायत करने वाले नेताओं को फटकार लगाते हुए विजयेंद्र के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई से इनकार किया है। पार्टी ने विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल

यतमल को नोटिस जारी कर कहा कि आप अनुशासन भंग नहीं कर सकते। नोटिस का 72 घंटे में जवाब मांगा गया है। पूर्व सीएम को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग शिकायत करने वाले नेताओं की मांग है कि विजयेंद्र को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाकर पूर्व सीएम और सांसद बसवराज बोम्मई को कमान दी जाए। ये नेता बोम्मई से मिलकर अपनी बात रख चुके हैं। हालांकि, बोम्मई ने पार्टी हाईकमान के फैसले के साथ रहने की बात कही है।

लोकसभा चुनाव के बाद से ही विजयेंद्र का विरोध सूत्रों के मुताबिक विजयेंद्र को हटाने की कवायद लोकसभा चुनाव के बाद से ही शुरू हो गई थी। हालांकि, पार्टी ने इस पर अब जाकर ध्यान दिया और शिकायत करने वालों को ही नोटिस जारी कर दिया।

काशी विश्वनाथ में 7 किमी लंबी लाइन...5 लाख ने किए दर्शन

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में श्रद्धालुओं की भीड़ फिर उमड़ने लगी है। आज घाट से लेकर बाबा विश्वनाथ मंदिर तक के रास्ते खचाखच भरे हैं।

श्रद्धालुओं की 7 चरू लंबी लाइन लगी है। शाम 4 बजे तक 5 लाख से ज्यादा भक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए।

मंगलवार दोपहर तक 15 लाख भक्त काशी पहुंचे। अनुमान है कि अगले 48 घंटे में यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 लाख पार कर जाएगी। काशी में इतनी भीड़ उमड़ने की 3 वजह हैं। पहला- माघी पूर्णिमा, दूसरा- संत रविदास जयंती और तीसरा- महाकुंभ का पलट प्रवाह।

बुधवार को रविदास जयंती कार्यक्रम में 15-20 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने के आसार हैं। केवल पंजाब से ही 5 लाख से ज्यादा लोग पहुंचेंगे।

सीएम योगी के निर्देश पर पुलिस और प्रशासनिक अफसरों ने इमरजेंसी क्राउड मैनेजमेंट प्लान लागू किया है। काशी में भक्त किन रास्तों से जाएंगे?

मोदी बोले- भारत की सोलर एनर्जी कैपेसिटी 32 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि पिछले एक दशक में भारत की सोलर एनर्जी कैपेसिटी 32 गुना बढ़ी है। इससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोलर एनर्जी प्रोड्यूसर बन गया है।

पीएम ने आज यानी, 11 फरवरी को इंडिया एनर्जी वीक 2025 की शुरुआत की। पीएम ने कहा, भारत अपनी ही नहीं, दुनिया की ग्रोथ को भी ड्राइव कर रहा है और इसमें हमारे एनर्जी सेक्टर की बहुत बड़ी भूमिका है। हम अभी 19वां इथेनॉल की ब्लेंडिंग कर रहे हैं। इससे फॉरेन करेंसी की बचत, सीओ2 एमिशन में कमी और किसानों को डायरेक्ट फायदा हो रहा है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने, भारतीय रेलवे को नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाने और हर साल 50 लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ये लक्ष्य महत्वाकांक्षी लग सकते हैं, लेकिन पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की क्षमता को दर्शाती हैं। देश ने पिछले 10 वर्षों में दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सफर तय किया है। भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी है। इससे हमारा देश दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है।

गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता भी तीन गुना बढ़ी है।

एमपी में एक्सीडेंट में 10 कुंभ यात्रियों की मौत

जबलपुर, मैहर, पन्ना (एजेंसी)। एमपी में मंगलवार रात से सुबह तक तीन सड़क हादसों में 10 कुंभ यात्रियों की मौत हो गई। जबलपुर और मैहर में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए लोग प्रयागराज से स्नान कर लौट रहे थे। तीसरा हादसा पन्ना में हुआ, इसमें गुजरात के अहमदाबाद से प्रयागराज जा रहे एक श्रद्धालु की मौत हो गई। सबसे बड़ा हादसा जबलपुर में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे हुआ। प्रयागराज से लौट रहे हैदराबाद के 9 यात्रियों की ट्रैवलर को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक और सड़क की रेलिंग के बीच फंसी ट्रैवलर बुरी तरह पिचक गई। ट्रैवलर में फंसे लोगों को पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला। दो गंभीर रूप से घायल हैं।

इस हादसे के बाद सामने से आ रही एक कार ट्रैवलर और ट्रक से टकरा गई। हालांकि, कार सवार सभी लोग एयरबैग खुलने से सुरक्षित हैं। हादसा नागपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर मोहला बरगी गांव के पास पुल पर हुआ। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जाम के हालात बने तो पुलिस ने वाहनों को दूसरे रास्ते से निकाला।

पाकिस्तान के गद्दाफी स्टेडियम की पोल खुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को ट्राईसीरीज का पहला मैच खेला गया। इस मुकाबले में ऑलराउंडर में रचिन रविंद्र चोटिल हो गए। उनके चोटिल होने के बाद पाकिस्तान की मेजबानी पर सवाल उठ गए हैं। सोशल मीडिया पर फैंस आरोप लगा रहे हैं कि रचिन रविंद्र गद्दाफी की कराब लाइटिंग के कारण चोटिल हुए हैं।

ट्राईसीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी करते हुए 330 रन बनाए। इसके बाद पाकिस्तान की टीम बल्लेबाजी करने उतरी। मैच के 38वें ओवर में रचिन दर्दनाक हादसे के शिकार हुए। न्यूजीलैंड के लिए ये ओवर माइकल ब्रेसवेल डाल रहे थे। ओवर की तीसरी गेंद पर पाकिस्तानी बल्लेबाज खुशदिल शाह ने डीप स्क्वॉयर पर दमदार शॉट खेला। रचिन की ओर गेंद गई तो लगा कि वह आसानी से उसे लपक लेंगे। हालांकि, गेंद उनके सिर पर लगी।

गेंद लगते ही रचिन जमीन पर बैठ गए। थोड़ी देर में उनके सिर से खू निकलता हुआ दिखने लगा जिसके बाद पूरा स्टेडियम शांत हो गया। रचिन के सिर पर तौलिया रखकर खून रोकने की कोशिश की गई और उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का दावा है कि खराब लाइटिंग के कारण से रचिन रविंद्र गेंद नहीं देख पाए।

दूसरे वनडे में वरुण चक्रवर्ती का हुआ डेब्यू, विराट कोहली की हुई वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड की टीमें दूसरे वनडे के लिए कटक के बाराबाती स्टेडियम में आमने-सामने हैं। मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। इस मुकाबले के जरिए वरुण चक्रवर्ती अपना वनडे डेब्यू करेंगे। वहीं भारत की प्लेइंग इलेवन में विराट कोहली की वापसी हुई है।

मुकाबले के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव देखने को मिले। पिछले मुकाबले मे ओपनिंग करने वाले यशस्वी जायसवाल इलेवन से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह विराट कोहली वापस आए हैं। वहीं कुलदीप यादव को आराम दिया गया है जिनकी जगह वरुण चक्रवर्ती का वनडे डेब्यू हुआ है।

वहीं इंग्लैंड ने मुकाबले की प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए। इंग्लिश टीम की प्लेइंग इलेवन में मार्क वुड, गस एटकिंसन और जेमी ओवरटन आ गए हैं।

टॉस जीतने के बाद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि, हम आज पहले बल्लेबाजी करेंगे। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। लंबे समय तक बेहतर खेलेंगे और उम्मीद है कि आज का दिन अच्छा रहेगा। ये थोड़ा सूखी, काली मिट्टी है, अच्छा विकेट दिख रहा है।

जबकि टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि, पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन था। मुझे ये अच्छा लगा कुछ समय तक मैदान पर नहीं रहने के बावजूद ऊर्जा बहुत अच्छी थी। दो विकेट खाने के बाद ये देखना शानदार था। श्रेयस को अपने इरादे और रवैये पर गर्व है और शुभमन और अक्षर के योगदान को भी नहीं भूलते। काली मिट्टी, पक्का नहीं है। शायद धीमी गति से खेलें, मै यही उम्मीद करता हूं।

कटक में विराट कोहली लगा सकते हैं शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली घुटने में सूजन के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला नहीं खेल पाए थे। लेकिन कटक में खेले जाने वाले दूसरे वनडे में उनकी वापसी तय मानी जा रही है। अगर विराट कोहली दूसरा वनडे खेलते हैं तो वह बाराबती स्टेडियम में शतक लगा सकते हैं। टीम इंडिया और फैंस भी कोहली से बेहतरीन पारी की उम्मीद कर रहे हैं। कोहली इस समय फॉर्म से जूझ रहे हैं। रणजी ट्रॉफी में भी वह फेल हुए थे। इसलिए सभी की नजरें अब कटक वनडे पर हैं। हालांकि, आंकड़ें देखें तो कोहली का बल्ला इस मैदान पर शांत ही रहा है। ऐसे में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद करना बेईमानी होगी। कटक के बाराबती स्टेडियम में कोहली के आंकड़ें देखे जाएं तो वो चिंताजनक हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इस मैदान पर अभी तक कुल चार वनडे मैच खेले हैं और इनमें से एक भी मैच में उनके बल्ले से शतक नहीं निकला है। इन चार मैचों में कोहली ने कुल 118 रन बनाए। कोहली ने इस मैदान पर एक मैच इंग्लैंड के खिलाफ भी खेला है जिसमें वह सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गए थे। वहीं श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने एक मैच में 22 रनों की पारी खेली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने इस मैदान पर कुल दो मैच खेले हैं जिनमें 88 रन बनाए हैं।

सिंधू चोट के कारण चीन में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से हटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण चीन में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है जिससे देश की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक का रंग सुधारने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। यह टूर्नामेंट 11 से 16 फरवरी तक किंगदाओ में खेला जाएगा।

भारतीय खिलाड़ी अभी गुवाहाटी में ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। सिंधू के अलावा शिविर में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ-साथ सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष युगल जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी उस भारतीय टीम का हिस्सा थी जिसने टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। सिंधू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं भारी मन से यह बता रही हूं कि मैं बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं करूंगी।

चार फरवरी को गुवाहाटी में ट्रेनिंग के दौरान मुझे अपनी पैर की मांसपेशियों में दर्द महसूस हुआ। अपने देश के लिए पट्टी लगाकर खेलने के प्रयास करने के बावजूद एमआरआई से पता चला है कि मुझे शुरुआत में जितना लगा था चोट के ठीक होने में उससे अधिक समय लगेगा।''

कटक में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर चुनी बैटिंग, वरुण चक्रवर्ती का वनडे में डेब्यू, विराट की हुई वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। जिसका दूसरा वनडे मैच 9 फरवरी यानी आज कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। इससे पहले नागपुर में खेले गए पहले वनडे मैच में टीम इंडिया ने 4 विकेट से जीत हासिल की और सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। अब रोहित की पलटन का मिशन दूसरे वनडे मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने का है।

दोनों टीमें इस प्रकार-

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड-जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिल सॉल्ट, जेमी स्मिथ, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टन, जेमी ओवरटन, जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और मार्क वुड।

कटक में दूसरे वनडे में शुभमन गिल बना डालेंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड कुछ ही देर में कटक के बाराबती स्टेडियम में दूसरा वनडे खेला जाएगा। इस मुकाबले में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल इतिहास रच सकते हैं। पहले वनडे में गिल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। जिसके बाद कटक में भी फैंस उनसे बेहतरीन पारी की उम्मीद कर रहे हैं। गिल वर्ल्ड रिकॉर्ड से महज 85 रन दूर हैं। ऐसे में वह साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी हाशिम अमला को पछाड़ सकते हैं।

शुभमन गिल ने अभी तक खेले गए अपने 48 मैचों में 2415 रन बनाए हैं। वह 2500 वनडे रन के आकंड़े से 85 रन ही दूर हैं। अगर कटक में वह कम से कम 85 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2500 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। कटक में अगर गिल ये कारनामा करते हैं तो वह 50 से कम पारियों में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला के नाम है। हाशिम ने 53 पारियों में वनडे में 2500 रन बनाए थे।

शुभमन गिल ने 31 जनवरी, 2019 में वनडे में डेब्यू किया था। न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में उन्होंने पहले वनडे में 9 रन बनाए। अब तक उन्होंने 48 मैचों में 2415 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 6 शतक और एक दोहरा शतक भी लगाया है। वहीं 15 अर्धशतक भी जड़े हैं। पहले वनडे में गिल ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की थी।

रचिन रविंद्र का मेडिकल अपडेट आया सामने, जानें कब होगी मैदान पर वापसी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र को पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय वनडे सीरीज के पहले मुकाबले के दौरान माथे पर चोट लगी गई थी। एक गेंद कैच पकड़ते हुए उनके सीधे माथे पर लगी थी। गेंद लगने के कुछ सेकेंड बाद ही उनके माथे से खून निकलने लगा था। खून पानी की तरह बह रहा था। जल्द ही डॉक्टर और फीजियो मैदान पर पहुंचे थे और उन्हें मैदान से बाहर लाया गया था। इसके बाद उन्होंने मैच में हिस्सा नहीं लिया था और अब वे अगले मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इस बात की जानकारी न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दी है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने रचिन रविंद्र को लेकर अपडेट जारी की है, रचिन रविंद्र को 8 फरवरी लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज में गेंद लगने से माथे पर चोट लग गई। रचिन रविंद्र के सिर पर चोट का प्रारंभिक मूल्यांकन किया गया और चोट के लिए टांके लगाने पड़े, जिसका उपचार मैदान पर ही किया गया। वह अन्यथा ठीक हैं और एचएटी प्रोटोकॉल के तहत उनकी निगरानी जारी रहेगी। कल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच में उनके खेलने की संभावना कम है। 10 फरवरी को साउथ अफ्रीका से न्यूजीलैंड को खेलना है।

माना जा रहा है कि, रचिन रविंद्र के चोटिल होने के पीछे की वजह लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की फ्लडलाइट्स हैं जो नीची लगी हुई हैं। व्हाइट फ्लडलाइट्स हैं तो गेंद उनके अंदर से आएगी तो पता नहीं चलेगा। यही बात शायद रचिन के साथ हुई, क्योंकि वे कैच पकड़ने की पोजिशन में थे, लेकिन गेंद जब उनके माथे पर लगी तो उनके हाथ काफी नीचे थे। एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के सात कबी भी ऐसा नहीं हो सकता।

चैंपियंस ट्रॉफी से नाम वापस लेंगे रोहित शर्मा! हार्दिक पंड्या को मिलेगी कप्तानी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होने वाला है। इस बड़े टूर्नामेंट से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म टीम इंडिया के लिए बड़ी परेशानी बन कर खड़ी हो रखी है। रोहित ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से ही कोई बड़ी पारी नहीं खेली है, ऐसे में टीम में उनकी जगह पर भी सवाल उठ रहे हैं। वह फिलहाल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रहे हैं। इस सीरीज के पहले मैच में भी रोहित फ्लॉप रहे। इसी बीच रोहित को लेकर एक बड़ा दावा किया जा रहा है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। रोहित शर्मा के लिए पिछले कुछ महीने इंटरनेशनल क्रिकेट में काफी खराब रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वह रन बनाने में नाकाम रहे थे, जिसके बाद उनके संन्यास की खबरें भी सामने आई थीं। हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया था कि वह खेलना जारी रखेंगे। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में खेले गए पहले वनडे में भी वह फेल रहे और उन्होंने 7 गेंदों में महज 2 रन ही बनाए। इसी बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अगर रोहित सीरीज के बाकी 2 मैचों में भी फ्लॉप रहते हैं तो वह खुद चैंपियंस ट्रॉफी से अपना नाम वापस ले सकते हैं।

रोहित शर्मा के लिए इंग्लैंड सीरीज के बाकी 2 मैच काफी अहम रहने वाले हैं। इन मैचों में भी अगर रोहित रन नहीं बना पाते हैं तो वह बड़ा फैसला ले सकते हैं। वहीं ये भी दावा किया जा रहा है कि रोहित बाहर होते हैं तो हार्दिक पंड्या इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कमान संभाल सकते हैं। हालांकि, शुभमन गिल टीम इंडिया के लिए वनडे में उपकप्तान हैं। लेकिन हार्दिक पंड्या के पास कप्तानी का ज्यादा अनुभव हैं और वह कई बड़े मौकों पर टीम इंडिया की कमान संभाल चुके हैं।

मुंबई इंडियंस के नाम एक और खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के बाद अब दुनियाभर में टी20 लीग्स में भी मुंबई इंडियंस का वर्चस्व देखने को मिल रहा है। एमआई ने अपना 11वां टी20 खिताब एसए20 लीग का चैंपियन बनकर जीता। दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप को हराकर एमआई केपटाउन ने पहली बार एसए20 लीग पर अपना कब्जा जमाया है। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस के कैबिनेट में एक और ट्रॉफी जुड़ चुकी है। बात एमआई की कामयाबी की करें तो 5 आईपीएल खिताब के अलावा ये फ्रेंचाइजी दो चैंपियंस लीग टी20 ट्रॉफी (2011, 2013) एक डब्ल्यूपीएल खिताब (2023), एक एमएलसी (2023) और एक आईएलटी20 2024 ट्रॉफी भी अपने नाम की है। बात मुकाबले की करें तो टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए एमआई केपटाउन ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 181 रन बोर्ड पर लगाए। टीम का कोई बल्लेबाज भले ही 40 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाया हो, लेकिन सभी के योगदान से टीम इस स्कोर तक पहुंच पाई। 39 रनों के साथ कॉनर एस्टरहुइजन टीम के टॉप स्कोरर रहे, वहीं डेवाल्ड ब्रेविस ने 18 गेंदों पर 8 तो ओपनर रयान रिकेल्टन ने 15 गेंदों पर 33 रनों की तूफानी पारी खेली। इस स्कोर का पीछा करने उतरी सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम ने एमआई के आगे घुटने टेक दिए और पूरी टीम 18.4 ओवर में महज 105 रन ही बना पाई। मुंबई की तरफ से ट्रेंट बोल्ड ने एकबार फिर धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में 4 ओवर के कोटे में महज 9 रन खर्च कर दो विकेट अपने नाम किए। वहीं कगिसो रबाडा को 4 सफलताएं मिली।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा से चाकघाट तक देखी तीर्थयात्रियों के लिए की गयी व्यवस्थाएं

'तीर्थयात्रियों की सेवा करने वालों को गंगा में सौ डुबकी लगाने के समान पुण्य मिलेगा'

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रीवा से चाकघाट तक भ्रमण किया। उप मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान रीवा प्रयागराज मार्ग पर तीर्थयात्रियों के लिए भोजन, ठहरने, पानी, चाय तथा सुरक्षा के लिए की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री ने हरिहरपुर मोड, जोगिनहाई टोल प्लाजा, बेलवापैकान, जनकहाई, मनगवां, श्रीयुत कालेज गंगेव, सोहागी टोल प्लाजा तथा चाकघाट रैन बसेरा में प्रयागराज जाने वाले तीर्थयात्रियों से भेंटकर उन्हें निःशुल्क भोजन और पानी का वितरण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार रीवा संभाग के सभी जिलों में प्रयागराज जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गयी हैं। जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक संगठन तथा बड़ी संख्या आमजन सेवाभाव से तीर्थयात्रियों को निःशुल्क भोजन, पानी, चाय की सुविधा दें रहे हैं। देश भर से तीर्थयात्री प्रयागराज पहुंचकर त्रिवेणी स्नान करके महाकुंभ का पुण्य लाभ ले रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सेवा करने वालों को गंगा में सौ डुबकी लगाने के समान पुण्य मिलेगा। तीर्थयात्रियों की सेवा में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जायेगी। महाशिवरात्रि पर्व तक रीवा प्रयागराज मार्ग पर व्यवस्थाएं चाकचौबंद रहेगी। प्रयागराज में अधिक भीड़ होने पर ही वाहनों को रोका जायेगा। अभी वाहन निर्बाध रूप से रीवा प्रयागराज मार्ग से कुंभ के लिए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने तीर्थयात्रियों से किया संवाद- श्रीयुत कालेज गंगेव तथा चाकघाट रैन बसेरा में कर्नाटक, हैदराबाद और महाराष्ट्र से आये तीर्थयात्रियों से संवाद किया। कर्नाटक के बीजापुर जिले से आये कृष्णाप्पा तथा राजू ने तीर्थयात्रियों को जगह-जगह सुविधा की प्रशंसा की। तीर्थयात्रियों ने मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा मध्यप्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। कई तीर्थयात्रियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के साथ सेल्फी ली। रीवा प्रयागराज मार्ग पर जनअभियान परिषद के स्वंयसेवकों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा भी जगह-जगह भोजन, पानी, बिस्किट, चाय और फलों का वितरण किया जा रहा है। मनगवां में सामाजिक संगठनों के साथ मिल कर नगर पंचायतों द्वारा तीर्थयात्रियों के लिए खिचड़ी और पानी का वितरण किया जा रहा है। सोहागी में एसएन पब्लिक स्कूल कांकर द्वारा तीर्थयात्रियों को भोजन और पानी का वितरण किया जा रहा है।

चाकघाट रैन बसेरा में उप मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से तीर्थयात्रियों के लिए किये गये प्रबंधों की जानकारी ली। पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी तथा नगर परिषद अध्यक्ष ने बताया कि रैन बसेरा में रात दिन तीर्थयात्रियों को ठहरने, भोजन, पानी, शौचालय तथा उपचार की सुविधा दी जा रही है। हजारों यात्री इसका लाभ उठा रहे हैं। मौके पर उपस्थित रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि रैन बसेरा एक महीने से लगातार संचालित हैं। इसमें तीन पालियों में अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। एसडीएम त्योंथर संजय जैन, सीएमओ चाकघाट तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत त्योंथार मिलकर समस्त व्यवस्थायें सुनिश्चित कर रहे हैं। आसपास की ग्राम पंचायतें तथा सामाजिक संगठन भी तीर्थयात्रियों की सेवा में पूरा सहयोग कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा चार स्थानों पर मेडिकल टीम तैनात की गयी है। रैन बसेरा में तैनात मेडिकल टीम तीर्थयात्रियों को दवाओं का लगातार वितरण कर रही है। मौके पर उपस्थित डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि प्रयागराज में भीड़ और वाहनों का दबाओं बढ़ने पर रीवा प्रयागराज मार्ग पर यातायात व्यवस्थित करना बड़ी चुनौती रहा। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने 24 घण्टे तैनात रहकर व्यवस्थायें बनायी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल तथा एसडीओपी त्योंथर उदित मिश्रा ने सहयोगी पुलिस अधिकारी और पुलिस बल के साथ चाकघाट और सोहागी में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की।

उप मुख्यमंत्री ने हनुमान मंदिर में चढ़ाया ध्वज- रीवा से चाकघाट तक तीर्थयात्रियों के लिए की गयी व्यवस्थाओं का उप मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम बेलवा पैकान में हनुमान जी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना करके मंत्रोंच्चार के बीच ध्वज चढ़ाया। उप मुख्यमंत्री ने भगवान से प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को महाकुंभ तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाएं लगातार बनाये रखने के निर्देश दिये।

भ्रमण के समय विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, चीफ इंजी. लोकनिर्माण विभाग संजय खण्डे, संभागीय प्रबंधक आरडीसी उमेश सिंह, एसडीएम गुढ़ डॉ. अनुराग तिवारी, एसडीएम मनगवां डॉ. पीएस त्रिपाठी, एसडीएम त्योंथर संजय जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, क्षेत्रीय प्रबंधक औद्योगिक विकास निगम यूके तिवारी, संभागीय समन्वयक जनअभियान परिषद प्रवीण पाठक, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, राजगोपाल मिश्रा चारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा ड्यूटी में तैनात अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षाओं में नियुक्त होने वाले केन्द्राध्यक्षों व सहायक केन्द्राध्यक्षों का हुआ रेण्डमाइजेशन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा एवं मऊगंज जिले में बोर्ड परीक्षाओं के लिये बनाये गये परीक्षा केन्द्रों में नियुक्त किये जाने वाले केन्द्राध्यक्षों व सहायक केन्द्राध्यक्षों का रेण्डमाइजेशन किया गया। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशन में बाणसागर सभागार में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी की उपस्थिति में रीवा जिले के 71 तथा मऊगंज जिले के 23 निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के लिये केन्द्राध्यक्षों व सहायक केन्द्राध्यक्षों की रेण्डमाइजेशन प्रक्रिया पूर्ण की गई। उल्लेखनीय हैं कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 25 फरवरी से तथा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 27 फरवरी से आरंभ हो रही हैं। रेण्डमाइजेशन के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल, जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर आशीष दुबे उपस्थित रहे।

हनुमना में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के हनुमना विकासखण्ड में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान का शुभारंभ एसडीएम कमलेशपुरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसडीएम ने फाइलेरिया की दवा खाकर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन करना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को फाइलेरिया की दवा खिलाई गयी। यह अभियान 10 फरवरी से 14 फरवरी तक बूथ लेबिल पर चलाया जायेगा। इसके उपरांत 15 फरवरी से 25 फरवरी तक घर-घर जाकर फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई जायेगी। सेठ रघुनाथदास कालेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्मृता नामदेव जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. नागेन्द्रमणि मिश्रा खण्ड चिकित्सा अधिकारी सविताश्याम परस्ते ब्लाक परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास दिवाकर प्रसाद मिश्रा प्र. सहायक मलेरिया अधिकारी, शिखा द्विवेदी एवं ब्लाक हनुमना के बी.पी.एम. बीसीएम, एएनएम, सुपरवाइजर अन्य पदाधिकारियों उपस्थित रहे।

जनअभियान परिषद से जुड़ी समितियाँ तीर्थयात्रियों को दे रही भोजन- पानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा प्रयागराज मार्ग पर महाकुंभ मेले के कारण बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन हो रहा है। महाकुंभ जाने वाले यात्रियों को रीवा जिला प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक संगठन और जनअभियान परिसर से जुड़ी समितियाँ निःशुल्क भोजन और पानी प्रदान कर रही है। इस संबंध में जनअभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि कमिश्नर रीवा बीएस जामोद तथा कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशों के अनुसार 11 स्थानों पर जनअभियान परिषद के स्वंयसेवक तैनात किये गये हैं। जनअभियान परिषद से जुड़ी समितियों के सदस्य तथा विकासखण्ड समन्वयक मिलकर तीर्थयात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन, पानी और चाय का वितरण कर रहे हैं। तीर्थयात्रियों के लिए बेला बाईपास में बनाये गये जनसेवा केन्द्र में निःशुल्क भोजन का वितरण किया जा रहा है। सोहागी बाईपास में बहुउद्देशीय समिति सोहागी तथा जोगिनहाई टोल प्लाजा में विकासखण्ड जनअभियान समिति रायपुर कर्चुलियान द्वारा कुंभ यात्रियों को निःशुल्क नास्ता, भोजन, पानी एवं चाय का वितरण किया जा रहा है। जनअभियान परिषद टीम की सदस्य चाकघाट सीमा पर भी तैनात हैं। इनके द्वारा सुबह से देर रात तक तीर्थयात्रियों को भोजन, पानी तथा चाय की सुविधा दी जा रही है। ग्राम पंचायतों द्वारा भी इस कार्य में पूरा सहयोग किया जा रहा है।

जनसुनवाई में 50 आवेदनों में की गई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट में 50 आवेदनों की जनसुनवाई की गई। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने राजस्व, ग्रामीण विकास, शिक्षा, पेंशन, विद्युत मंडल आदि विभागों से संबंधित आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए अधिकारियों को समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस दौरान नायब तहसीलदार विन्ध्या ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनी।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में कौआढ़ान के सालिकराम ने भू-राजस्व रिकार्ड को अद्यतन करने, अखिलेश श्रीवास्तव बहुरीबांध ने खसरा सुधार करने तथा रामदार कोरी दादर ने भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के आवेदन दिये जिन्हें संबंधित तहसीलदारों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।

इसी प्रकार ओम प्रकाश सोनी निवासी सिरमौर के शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, बड़ागांव निवासी सुरेश केवट के नक्शा सुधार करने, कोठी निवासी नीरज पाण्डेय के स्थान के बाद भी रास्ता को बंद किये जाने, तथा हुजूर निवासी मुकद्दर बेग के प्लाट से कब्जा हटवाने के आवेदनों पर संबंधित एसडीएम को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। नवल किशोर पाण्डेय ने कुदुलिया मुकुंदपुर मार्ग में भूमि का मुआवजा दिलाने तथा जितेन्द्र पाण्डेय तेलनी ने नहर निर्माण में भूमि का मुआजवा देने का आवेदन दिया जिन्हें भूअर्जन अधिकारी को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। यतीन्द्र सिंह निवासी गोविंदगढ़ ने नक्शातरमीम कर सीमांकन करने का आवेदन किया जो एसएलआर को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। जनसुनवाई में विद्युत विभाग के अधिकारी बिजली बिज अधिक प्राप्त होने के आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रति फरवरी के दूसरे मंगलवार को विश्व स्तर पर सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया जाता है।

बच्चों, महिलाओं और युवाओं के इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एवं साइबर जागरूकता बढ़ाने हेतु सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर "एक साथ बेहतर इंटरनेट के लिए" थीम पर शासकीय आई.टी.आई. रीवा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एनआईसी के डीआईओ मनीष कुमार पटेल द्वारा छात्र/छात्रा को साइबर सिक्यूरिटी से सम्बंधित जानकारी दी गई। उन्होंने इंटरनेट के उपयोग में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्य आईटीआई एस.एन मिश्रा, रोलआउट मेनेजर ओंकारनाथ पटेल एवं प्रशिक्षण अधिकारी प्रदीप पाठक सहित छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 9 कंपनियों द्वारा किया जाएगा युवाओं का चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्थानीय शासकीय आईटीआई में 17 फरवरी को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया है। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 9 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 9 हजार रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात, ख्याति शील्ड ग्लोबल रिच रायपुर छत्तीसगढ़, प्राकृतशील बॉयोटेक प्रा. लि. सवेरा होटल के पास सतना, यशस्वी ग्रुप भोपाल, बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. (आईसेक्ट) इंदौर, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा, प्रगतिशील बायोटेक रीवा, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्राइवेट लिमिटेड पूणे तथा एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

परीक्षा पूर्व नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 28 तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा, नर्सिंग एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल में चयन के लिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आवेदन 28 फरवरी तक आमंत्रित किये गये हैं। प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदन पत्र स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक से कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति अथवा जनजातीय का सदस्य होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष तथा परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तय की गयी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखता हो। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने पर प्रशिणार्थी को 500 रूपये सुरक्षानिधि जमा करके अनुबंध के अनुसार प्रशिक्षण में प्रवेश दिया जायेगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र शा. ज्ञानोदय विद्यालय अनुसूचित जाति कल्याण विभाग परिसर से प्राप्त की जा सकती है। जानकारी प्राप्त करने के लिए फोन नंबर 07662-299221 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति लाने कलेक्टर ने दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने टीएल बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस सप्ताह के अंत तक सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति लायें। जिला टॉप 5 की श्रेणी में रहे तथा कोई भी विभाग डी या सी ग्रेड में न रहे।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों को शीघ्र निराकृत करने तथा मांग आधारित शिकायतों को मांग अनुसार निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने राजस्व विभाग की लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधीक्षण यंत्री की अधिक शिकायतें लंबित रहने तथा नहर का पानी अंतिम छोर तक न पहुंचाने के आरोप में दो वेतन वृद्धियाँ रोकने का प्रस्ताव आयुक्त रीवा संभाग को प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग की सीएम हेल्पलाइन शिकायतें की लंबित रहने पर संबंधित निम्न श्रेणी लिपिक की एक वेतन वृद्धि रोकने का कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने के निर्देश बैठक में दिये। बैठक में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के जबावदावा प्रस्तुत करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अधिकारियों/कर्मचारियों के समग्र को कोषालय के ईएफएमआईएस से संबद्ध किया जाना सुनिश्चित करायें ताकि वेतन आहरण में परेशानी न हो। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर उप मुख्यमंत्री ने किया माल्यार्पण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्य तिथि पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द शुक्ल ने अस्पताल चौराहा स्थित पं. दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी श्री हितानंद शर्मा, सहित जनप्रतिनिधिगण, पार्टी के पदाधिकारी तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे।

मऊगंज जिले में होधल्डग स्टेशनों में सभी व्यवस्थायें दुरूस्त रखें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रयागराज में महाकुंभ मेले में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मऊगंज जिला अन्तर्गत हनुमना की सीमा से प्रयागराज जा रहे हैं, जिससे जगह-जगह पर सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। ट्रैफिक जाम को नियंत्रित करने हेतु जिला मऊगंज अन्तर्गत मऊगंज में सगुन पैलेश, खटखरी बिझौली में अपना ढ़ाबा तथा हनुमना में डीपी होटल के सामने भीड़ को रोकने हेतु होधल्डग स्टेशन बनाये गये है। कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने तीनों होधल्डग स्टेशन में आवश्यक व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था हेतु आवश्यक पुलिस बल लगाने, अनुविभागीय अधिकारी/ मुख्य कार्यपालन/ नगर परिषद अधिकारी को आवश्यक छांव, चाय, पानी, भोजन तथा बच्चों के लिए दूध तथा स्वच्छता व्यवस्था हेतु कर्मचारी लगाने तथा बीएमओ को आवश्यक उपचार हेतु आवश्यक चिकित्सा दल लगाने के निर्देश दिये हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।